mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-01 अंक-28 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़

29 जुलाई 2025 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

कुलदीप को बल्लेबाजी

@ पेज 7

यूपी- बाराबंकी के अवसानेश्वर मंदिर में भगदड़, 2 की मौत

बाराबंकी, (एजेंसी)। यूपी में बाराबंकी के अवसानेश्वर महादेव मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार को भगदड़ मच गई। हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, 29 लोग घायल हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि रविवार रात 2.30 बजे जलाभिषेक के दौरान मंदिर परिसर में अचानक करंट फैलने से हादसा हुआ। भागने के दौरान लोग एक-दूसरे को कुचलते चले गए। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने घटना को लेकर डीएम से 24 घंटे में रिपोर्ट मांगी है।

सीएमओ अवधेश यादव ने बताया- हादसे के बाद पुलिसकर्मी एंबुलेंस से 29 लोगों को हैदरगढ़ सीएचसी लेकर आए। 9 को त्रिवेदीगंज और 6 को कोठी सीएचसी भेजा गया। 5 गंभीर घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। अब तक दो की मौत हुई है।

डीएम शशांक त्रिपाठी ने बताया- कुछ बंदर बिजली के तार पर कूद गए थे, जिससे तार टूटकर मंदिर परिसर के टीनशेड पर गिर गया। इसी कारण करंट फैल गया। करंट लगने से प्रशांत कुमार (16) और रमेश कुमार (35) की मौत हुई है। योगी सरकार ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए देने का ऐलान किया है। अवसानेश्वर मंदिर जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के वक्त लाइन में करीब 3 हजार लोग दर्शन के लिए लगे हुए थे।

बता दें कि रविवार सुबह हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भी भगदड़ मच गई थी।

स्टालिन सरकार ने केंद्र से की शिक्षा योजना के तहत फंड जारी करने की मांग, पीएम मोदी को सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक याचिका सौंपी, जिसमें लंबित शिक्षा निधि में से 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि तत्काल जारी करने और राज्य भर में लंबे समय से लंबित रेलवे परियोजनाओं के कार्यान्वयन का आग्रह किया गया। यह अपील राज्य के वित्त मंत्री थंगम थेन्नारासु के माध्यम से प्रधानमंत्री की दो दिवसीय तमिलनाडु यात्रा के दौरान की गई, जहाँ उन्होंने विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया और राजेंद्र चोझान के सम्मान में एक स्मारक सिक्के का अनावरण किया। अपने पत्र में मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु सरकार 2018 से समग्र शिक्षा अभियान (एसएसए) योजना को प्रभावी ढंग से लागू कर रही है, जिससे शैक्षिक परिणामों में लगातार सुधार हुआ है। हालाँकि, उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार ने केंद्रीय धनराशि जारी करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को पूरी तरह से अपनाना एक पूर्व शर्त बना दिया है। उन्होंने दोहराया कि राज्य को एनईपी के कुछ प्रावधानों, विशेष रूप से त्रिभाषा नीति को लागू करने और स्कूली शिक्षा को 5+3+3+4 प्रारूप में पुनर्गठित करने, पर कानूनी और नीतिगत आपत्तियाँ हैं।

राज्यसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विपक्षी सांसदों की नारेबाजी के बीच, राज्यसभा को दिन भर के लिए स्थगित कर दिया गया और मंगलवार सुबह 11 बजे ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के लिए फिर से बैठक होगी। दो बार स्थगित होने के बाद, उच्च सदन की कार्यवाही सुबह 2 बजे शुरू हुई, लेकिन विपक्ष द्वारा चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ नारेबाजी के कारण फिर से वही गतिरोध बना रहा। सदन स्थगित होने से पहले विपक्षी सांसदों ने वोट चोरी बंद करो के नारे लगाए।

ऑपरेशन सिंदूर पर 16 घंटे की चर्चा के लिए सदन मंगलवार को फिर से बैठक करेगा। सूत्रों के अनुसार, राजनाथ सिंह और एस जयशंकर उन मंत्रियों में शामिल होंगे जो राज्यसभा में चर्चा में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के भी चर्चा में हस्तक्षेप करने की उम्मीद है। सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस को चर्चा के लिए लगभग दो घंटे का समय दिया गया है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे उनके लिए बहस की शुरुआत करेंगे। इस बीच, दिन में तीन बार स्थगित होने के बाद, लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा आखिरकार शुरू हो गई है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चर्चा की शुरुआत की और भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा शुरू किए गए इस सैन्य अभियान को ऐतिहासिक बताया। सिंह ने उन सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जो देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

ललन सिंह ने आतंकियों को शहीद कहा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में बहस जारी है। इस बीच जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोल रहे थे, तभी राहुल गांधी अचानक खड़े हो गए। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए आतंकियों को शहीद कह दिया। वहीं, आतंकी मसूद अजहर को साहब कहा। उधर, गौरव गोगोई ने गुस्से में आकर उंगली दिखाकर सवाल पूछे। लोकसभा में राजनाथ सिंह सीजफायर के बारे में जानकारी देते हुए बोल रहे थे- पाकिस्तान ने हमसे कार्रवाई को रोकने को कहा। हमारे डीजीएमओ से बात की कि महाराज अब रोक दीजिए। यह सुनते ही राहुल तुरंत अपनी शीट से उठते हैं और कहते हैं- तो आपने रोके क्यों? राजनाथ सिंह उनको बैठने को इशारा करते हैं। साथ में कहते हैं कि थोड़ा रुकिए तो बता दूंगा। आप बैठ जाइए।

पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड हाशिम मूसा समेत 3 आतंकी ढेर

श्रीनगर, (एजेंसी)। भारतीय सेना ने सोमवार को ऑपरेशन महादेव के तहत श्रीनगर के लिडवास इलाके में छिपे 3 पाकिस्तानी आतंकियों को ढेर कर दिया। चिनार कॉर्प्स ने एक्सपर इसकी जानकारी दी। मारे गए आतंकियों में पहलगाम हमले का मुख्य आरोपी हाशिम मूसा भी शामिल है। सेना के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि कर दी है कि मारा गया आतंकी हाशिम मूसा ही था। आर्मी प्रवक्ता ने बताया कि आतंकियों की पहचान करने की कोशिश जारी है। हालांकि बाकी दो में से एक आतंकी के 2024 के सोनमर्ग सुरंग प्रोजेक्ट पर हुए हमले में शामिल होने की बात कही जा रही है। आतंकियों के पास से अमेरिकी एम4 कार्बाइन, एके-47, 17 राइफल और ग्रेनेड मिले हैं। कुछ और संदिग्ध सामान भी बरामद हुआ है। सेना मंगलवार को ऑपरेशन महादेव पर जानकारी दे सकती है। सेना के मुताबिक, सुबह 11 बजे खुफिया जानकारी मिलने के बाद लिडवास में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान दूर से दो बार फायरिंग की आवाज सुनी गई थी। इलाके में सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ा दी गई है।

जस्टिस वर्मा की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कैश कांड के आरोपी जस्टिस यशवंत वर्मा से सोमवार को पूछा, आप जांच कमेटी के सामने क्यों पेश हुए। क्या आपने पहले वहां से फैसला अपने हक में लाने की कोशिश की। दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस वर्मा ने उनके घर जले नकदी नोट मामले में इन-हाउस कमेटी की रिपोर्ट और महाभियोग की सिफारिश रद्द करने की अपील की गई है। रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा को दोषी ठहराया गया है। जस्टिस वर्मा की तरफ से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने दलील रखी।

दिव्यांगता परमात्मा का परम अंश और इनकी सेवा परमात्मा की सेवा : डॉ. मोहन यादव

भोपाल, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सामाजिक समानता और समरसता लोक कल्याणकारी राज्य का प्राथमिक दायित्व है। समाज के सभी वर्गों, विशेषकर दिव्यांगजनों और कमजोर वर्गों के हितों की पूर्ति एवं उनका संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकार दिव्यांगजनों को संबल देकर उन्हें समर्थ और सशक्त बनाने के लिए हर जरूरी कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दिव्यांगजन परमात्मा का परम अंश है और इनकी सेवा परमात्मा की सेवा है। दिव्यांगजनों को लाभ दिलाने के लिए शिविर लगाएं। इन शिविरों में नए दिव्यांगजनों को भी चिन्हित किया जाए और उन्हें उनकी जरूरत के मुताबिक सहयोग, मार्गदर्शन तथा सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सामाजिक न्याय विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचे, इसके लिए योजना क्रियान्वयन की सतत् निगरानी भी सुनिश्चित की जाये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने

दिव्यांगजनों के विकास एवं कल्याण के लिए अब तक हुए प्रयासों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा में लाने और उन्हें स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमारी सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। हम सबका यह कर्तव्य है कि इस पुनीत कार्य में सभी सक्रिय होकर भागीदारी करें। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों एवं कुष्ठ पीड़ितों के कल्याण के लिए अन्य प्रदेशों में प्रचलित मॉडल का भी अनुसरण करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि कल्याणियों के विवाह के लिए संचालित मुख्यमंत्री कल्याणी विवाह प्रोत्साहन योजना का अधिक से अधिक प्रचार किया जाए जिससे जरूरतमंद कल्याणी इसका लाभ ले सकें। इस कार्य के लिए एक पोर्टल तैयार कर लिया गया है। बैठक में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण सोनाली वायंगणकर सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

राजस्थान में बारिश का रेड अलर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बना लो प्रेशर राजस्थान में एक्टिव है। इसके चलते मौसम विभाग ने राजस्थान के 14 जिलों में आज बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इसके साथ 8 जिलों झालावाड़, कोटा, भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, बारां, डूंगरपुर, धौलपुर और अजमेर में स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई है। बिहार के पटना में रविवार पूरी रात हुई बारिश से हालात बिगड़ गए हैं। पटना जंक्शन पर रेल ट्रैक डूब गया है। स्टेशन के बाहर 2 फीट पानी भर गया है। पटना-गया लाइन की पैसेंजर ट्रेन अलग-अलग स्टेशन पर रुकी हुई हैं।

सावन का तीसरा सोमवार, उज्जैन में निकली सवारी

उज्जैन। आज सावन का तीसरा सोमवार है। पहले और दूसरे सोमवार की ही तरह देश के सभी शिव मंदिरों पर भक्तों की लंबी कतारें लगी हैं। मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के पट रात 2.30 बजे खोले गए। सुबह भस्म आरती की गई।

शाम को महाकाल की तीसरी सवारी निकली। इसमें भगवान चंद्रमौलेश्वर पालकी में विराजित हुए, जबकि भगवान मनमहेश को हाथी पर और श्री शिव-तांडव की प्रतिमा को गरुड़ रथ पर विराजित किया गया। सवारी शिप्रा घाट पर पहुंची।

यहां भगवान का पूजन किया गया। इसके बाद सवारी मंदिर के लिए रवाना हुई। यूपी के काशी में विश्वनाथ धाम के कपाट भी रात 3 बजे खोले गए। सुबह 4 बजे बाबा की मंगला आरती हुई।

दोनों ही मंदिरों में रात से भक्तों की भीड़ जमा हो गई थी। 3 किमी लंबी कतारें लगी हैं। आज मंदिर में 3 लाख से ज्यादा लोगों के पहुंचने की संभावना है।

वोटर वेरिफिकेशन- 65 लाख लोगों के नाम कटेंगे

पटना, (एजेंसी)। 1 अगस्त को जारी होने वाली वोटर ड्राफ्ट लिस्ट में करीब 65 लाख लोगों का नाम नहीं होगा। इस तरह अगर औसत निकालें तो 243 विधानसभा सीटों पर हर विधानसभा से करीब 26 हजार वोटर का नाम नहीं मिलेगा। चुनाव आयोग ने कहा है, '25 जुलाई को बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी वोटर वेरिफिकेशन के पहले चरण का काम पूरा हो गया है। इसमें 65 लाख लोग अपने पते पर नहीं मिले। इसलिए उनका नाम नहीं होगा।' हालांकि, चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि अगर किसी योग्य मतदाता का नाम सूची से छूट गया हो या किसी अयोग्य व्यक्ति का नाम गलती से जुड़ गया हो तो 1 अगस्त से 1 सितंबर तक आपत्ति या दावा कर सकता है। उसका नाम जोड़ा या हटाया जा सकेगा। मंडे स्पेशल में पढ़िए, हर विधानसभा में इतने वोट का क्या इम्पैक्ट पड़ सकता है और पिछले चुनाव में इससे कम वोट से कितनी सीटों पर हार जीत हुई थी? चुनाव आयोग के मुताबिक, 65 लाख लोग अपने पते पर नहीं मिले हैं। अगर उनका नाम फाइनल लिस्ट में भी शामिल नहीं किया गया तो बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से हर सीट पर 26 हजार 748 नाम हटेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने ऑनलाइन माफी पर विजय शाह को फटकारा

दिल्ली/भोपाल, (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग करने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी को लेकर भाजपा मंत्री विजय शाह की ऑनलाइन माफी पर सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को जस्टिस सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की बेंच ने शाह के मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने शाह द्वारा सार्वजनिक रूप से मांगी गई माफी को निष्ठाहीन बताते हुए खारिज कर दिया। यह देखते हुए कि अपने माफीनामे वाले वीडियो में शाह ने जनभावनाओं को ठेस पहुंचाने की बात स्वीकार नहीं की। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा वह आत्मचिंतन करें कि अपनी सजा कैसे चुकाएं। आपकी वह सार्वजनिक माफी कहां है? हमारे धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं।

लुधियाना में नहर में गिरी पिकअप, 8 श्रद्धालुओं की मौत

लुधियाना, (एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना में रविवार देर रात मलेरकोटला रोड पर जगेड़ा नहर के पुल से महिंद्रा पिकअप गाड़ी नहर में गिर गई।

गाड़ी में कुल 29 लोग सवार थे, जिनमें से 3 बच्चों और 4 महिलाओं समेत 8 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 2 लोग नहर में लापता हैं, जिनकी तलाश जारी है। सभी लोग हिमाचल से माता नैना देवी के दर्शन कर अपने गांव

मानकवाल लौट रहे थे। गाड़ी में सवार लोगों के अनुसार, पिकअप गाड़ी ओवरलोड थी। एक वाहन को ओवरटेक करते समय अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और यह हादसा हो गया। मृतकों की पहचान जरनैल सिंह (52), कृष्णा कौर (60), मनजीत कौर (58), कमलजीत कौर (25), सुखमन कौर (डेढ़ साल), महिंदर कौर (22), आकाशदीप सिंह (8), और अर्शदीप (4) के रूप में हुई है। ये सभी गांव मानकवाल के रहने वाले थे। इनके शव रात 2 बजे लुधियाना के सिविल अस्पताल पहुंचाए गए।

वहीं, केशर सिंह और गुरप्रीत सिंह लापता हैं, जिनकी खोज में सर्च ऑपरेशन चल रहा है।

जैसलमेर में स्कूल का गेट गिरने से छात्र की मौत

जैसलमेर, (एजेंसी)। जैसलमेर के पूनमनगर में सरकारी स्कूल का गेट गिरने से 1 छात्र की मौत हो गई। जबकि एक टीचर और 5 साल की बच्ची के भी चोटें आई है। टीचर को जवाहिर हॉस्पिटल रेफर किया गया है। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक स्कूल का मैन एंट्री गेट गिरने से यह हादसा हुआ। इधर, उदयपुर में स्कूल के 3 कमरों का प्लास्टर गिर गया। 45 बच्चे बाल-बाल बच गए। अरबाज खान (7) पुत्र तालब खान की दो बहनें गर्ल्स स्कूल में पढ़ती है, वहीं अरबाज करीब 100 फीट की दूरी पर स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में पहली क्लास में पढ़ता था। सोमवार को दोपहर करीब 1 बजे स्कूल की छुट्टी होने के बाद वह अपनी बहन को लेने आया था। इसी दौरान स्कूल का मैन गेट और पत्थर गिर गए। हादसे में अरबाज की मौत हो गई, जबकि प्रिया (5) पुत्री महेंद्र कुमार के भी चोटें आई है।

टैगोर की धरती से ममता ने छेड़ा दूसरा भाषा आंदोलन, बोलीं- अपनी अस्मिता और मातृभाषा को नहीं भूल सकते

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अन्य राज्यों में बंगाली प्रवासियों पर कथित हमलों के खिलाफ बोलपुर में विरोध मार्च किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आप सबकुछ भूल सकते हैं, लेकिन आपको अपनी 'अस्मिता', मातृभाषा, मातृभूमि नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं किसी भी भाषा के खिलाफ नहीं हूँ, मेरा मानना है कि विविधता में एकता ही हमारे राष्ट्र की नींव है। उन्होंने कहा कि अगर हम बंगाल में 1.5 करोड़ प्रवासी मजदूरों को आश्रय दे सकते हैं, तो आप दूसरे राज्यों में काम कर रहे 22 लाख बंगाली प्रवासियों को क्यों नहीं स्वीकार कर सकते। भावनाओं और प्रतीकों से भरपूर यह विरोध मार्च 'टूरिस्ट लॉज' चौराहे से शुरू हुआ और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर की भूमि पर तीन किलोमीटर की दूरी तय कर जम्बोनी बस अड्डे पर समाप्त हुआ। हाथ में टैगोर का चित्र लिए हुए ममता ने सड़क के दोनों ओर खड़ी भीड़ का अभिवादन करते हुए रैली का नेतृत्व किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रतुल मुखोपाध्याय का प्रतिष्ठित विरोध गान "अमी बांग्लाय गान गाई" गाया।

ऑपरेशन सिंदूर पर लोकसभा में छिड़ी तीखी बहस, सरकार और विपक्ष में वार-पलटवार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सदस्यों के लगातार हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही तीन बार और राज्यसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित हुई। हालांकि, 2 बजे से लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा शुरू हुई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर केवल सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी नीति का निर्णायक प्रकटीकरण था। सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर को तीनों सेनाओं के समन्वय का बेमिसाल उदाहरण बताते हुए कहा कि यह कहना "गलत और निराधार" है कि इस अभियान को किसी दबाव में आकर रोका गया था। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान को

स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि यदि उसकी कुछ 'गलतफहमी' बची रह गयी है तो उसे भी दूर कर दिया जाएगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा में कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश देना जरूरी था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने आक्रमण को बचाया था, हमने उसकी कोशिश नाकाम की। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि नागरिकों की सुरक्षा करना हमारा अधिकार है। विदेश मंत्री जयशंकर ने लोकसभा में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर का संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से पाकिस्तान के अलावा केवल तीन राष्ट्रों ने विरोध किया था। यह हमारी कूटनीति का ही परिणाम था कि 'टीआरएफ' को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया गया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के समय अमेरिका के साथ बातचीत में व्यापार का कोई जिक्र नहीं हुआ था, 22 अप्रैल से 17 जून के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कोई सीधा संवाद नहीं हुआ।

न्यू मार्केट, चौक बाजार, एमपी नगर में यह काम अब तक शुरू नहीं

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। चट्टानों और पेड़ों के कारण पूरे शहर में अंडरग्राउंड बिजली लाइन बिछाना मुश्किल, खर्च भी ज्यादा मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी अगले एक साल में शहर का बिजली इंफ्रास्ट्रक्चर बदलने पर लगभग 500 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। इस दौरान शहर के प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर घने और उलझे बिजली के तारों का जाल साफ किया जाएगा। खुले तारों की जगह कवर्ड कंडक्टर बिछाई जाएगी। इसके अलावा अन्य काम भी किए जा रहे हैं। इस पूरे काम में शहर में बिजली की अंडरग्राउंड केबलिंग का काम शामिल नहीं है। इसकी वजह यह है कि पूरे शहर में बिजली के तार जमीन के अंदर बिछाना संभव नहीं है, लेकिन बहुत मुश्किल है।

बजट के अलावा अन्य कई तकनीकी कारण भी हैं। शहर में लगभग 1400 सर्किट किमी लाइन खंभों के जरिए हवा में बिछी (ओवरहेड) है। शहर के यदि 70त्न हिस्से में भी अंडरग्राउंड केबलिंग की जाए तो इस पर 1000 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च होंगे। 1981 से चल रही कवायद... 1981 में पुरानी विधानसभा के ऊपर और आसपास के इलाके की बिजली लाइन को अंडरग्राउंड किए जाने की कोशिश की गई थी। बजट और ऐसे कई पुराने कारणों से यह काम अब तक नहीं हो सका। पिछले 12 साल में शहर के प्रमुख व्यावसायिक इलाकों न्यू मार्केट, चौक बाजार और एमपी नगर में भी अंडरग्राउंड केबलिंग के प्रोजेक्ट बने। यहां भी अब तक ऐसा कोई काम नहीं हो सका।

मेट्रो के कारण बंद रास्ते और अतिक्रमण से व्यापारी परेशान

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। एमपी नगर जोन-1 में मल्टीलेवल पार्किंग और आसपास के इलाके के व्यापारी पिछले पांच साल से परेशान हैं। मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए यहां बैरिकेडिंग लगाकर एंट्री बंद कर दी गई थी। एमपी नगर व्यवसायी अशोक वसंता ने बताया कि बैरिकेड हट गया है, लेकिन वहां मेट्रो ने स्टेशन के पास स्ट्रक्चर बनाकर सड़क को बंद कर दिया है।

नतीजा इस क्षेत्र में व्यापारियों और ग्राहकों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। इसके अलावा इस पूरे इलाके में सड़क पर पार्किंग और अतिक्रमण के कारण भी परेशानी हैं। व्यापारियों ने कई बार प्रशासन के समक्ष अपनी बात रखी, लेकिन कोई हल नहीं निकला।

भोपाल की 'सकारात्मक सोच' स्वच्छ भारत के लिए मिसाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल के कल्पना नगर की गलियों से शुरू हुआ सफाई का कारवां अब शहर की पहचान बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' में 'सकारात्मक सोच' नाम की इस संस्था की तारीफ की। कहा- 'ये सिर्फ सफाई नहीं करतीं, सोच भी बदलती हैं।' संस्था की 200 महिलाएं पिछले दस साल से बिना किसी सरकारी मदद के शहर को साफ-सुथरा बना रही हैं। 2015 में पीएम मोदी ने स्वच्छ भारत मिशन का ऐलान किया, तब 20-25 महिलाओं ने यह संस्था बनाई। शुरुआत कल्पना नगर के एक गंदे पार्क को संवारने से हुई। अब यहां बर्थडे पार्टी तक होती हैं। कॉलोनी में अपने स्तर पर सीसीटीवी लगवाए, ताकि लोग सड़क या घर के बाहर कचरा न फेंकें।

रोग की पहचान, फॉलोअप और समय पर सही उपचार महत्वपूर्ण-उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रोग की पहचान, उसका फॉलोअप और समय पर सही इलाज उपलब्ध होना, रोग के निदान के लिए महत्वपूर्ण घटक हैं। सशक्तिकरण स्वास्थ्य तंत्र के लिए इन सभी घटकों पर आपसी समन्वय से कार्य करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कैंसर पीड़ित बच्चों को उन्नत इलाज और सामाजिक सहयोग की संपूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने सोमवार को मंत्रालय भोपाल में पीडियाट्रिक कैंसर के बेहतर प्रबंधन के लिए कैनकिड्स संस्था से सहयोग के विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार पीडियाट्रिक कैंसर की चुनौती से निपटने के लिए एकीकृत रणनीति पर कार्य करेगी, जिसमें शासन, विशेषज्ञ संस्थाएं और समाज की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। राज्य में उपलब्ध संसाधनों

और विशेषज्ञों के बेहतर उपयोग के लिए हब-स्पोक्स और रेफरल पाथवे मॉडल को अनुमोदित कर चरणबद्ध रूप से क्रियान्वित किया जाएगा। मानव संसाधन जैसे स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और सामाजिक सहयोग टीमों की क्षमता वृद्धि और प्रशिक्षण की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कैनकिड्स संस्था से इस सहयोग के लिए अपने सुझाव देने का आग्रह किया।

बैठक में पीडियाट्रिक कैंसर की देखरेख के लिए उपयुक्त अधोसंरचना के सृजन एवं सुदृढ़ीकरण के विभिन्न विषयों पर विमर्श किया गया। सेवा प्रदाय की गुणवत्ता में सुधार के लिए सामाजिक सहयोग सेवाओं को समाहित करने और सहयोग के विभिन्न आयामों पर चर्चा की गयी। उपचार, देखरेख और सहयोग के लिए प्रोटोकॉल आधारित थैरेपी, बोन मैरो ट्रांसप्लांट और नवीनतम उपचार पद्धतियों को अपनाने साथ ही बहु-केंद्रित अनुसंधान, डेटा संकलन, नवाचार और एकीकरण को प्रोत्साहन देने के सुझाव पर योजनाबद्ध कार्यवाही करने पर चर्चा हुई।

प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव, आयुक्त स्वास्थ्य तरुण राठी, मिशन संचालक एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी एवं कैनकिड्स संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

600 लोगों ने बनाई मानव श्रृंखला, संदेश... नशामुक्ति

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत रविवार को बोट क्लब पर एक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस कमिश्नर और 600 लोगों ने 1 किमी लंबी मानव श्रृंखला बनाकर नशा मुक्ति का संदेश दिया। विशेष अभियान के तहत बोट क्लब, बड़े तालाब पर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर नशा मुक्ति का संकल्प लिया गया और शहरवासियों को नशा मुक्ति हेतु शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस कमिश्नर हरिनारायणाचारी मिश्र ने नगर रक्षा समिति, स्कूली विद्यार्थियों, गणमान्य नागरिकों तथा बोट क्लब पर घूमने आए सैलानियों को संबोधित किया। उन्होंने नशे से होने वाले दुष्प्रभावों एवं

विकारों के बारे में बताया। साथ ही बताया कि पुलिस द्वारा प्रत्येक वर्ष अपराधों का विश्लेषण किया जाता है।

इसमें संलिप्त आरोपियों की पृष्ठभूमि या तो नशे से जुड़ी होती है या वे नशे की हालत में अपराध करना स्वीकार करते हैं। अथवा नशा करने के लिए संपत्ति संबंधी अपराध करते हैं। अधिकतर अपराधों में अपराधी नशे के प्रति आदतन पाए गए। इसलिए नशा केवल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को खराब नहीं करता, बल्कि समाज को भी बुराई की ओर धकेलता है। इसलिए आज से यह संकल्प लेंगे कि न हम नशा करेंगे और न ही परिवार और समाज को नशा करने देंगे।

नगरीय निकायों में विकास कार्यों में अनियमितता बरतने वाले ठेकेदारों के विरूद्ध होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास श्री संकेत भोंडवे ने कहा है कि नगरीय क्षेत्र में विकास कार्यों में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जायेगी। जिन ठेकेदारों ने कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी की है और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर निविदा प्रक्रियाओं को प्रभावित किया है उनके विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी। प्रदेश में 8 कंपनियों के ठेकेदारों को उनके कार्यों आदि के परीक्षण के बाद ब्लैकलिस्ट किया गया है। यह कंपनियां आगामी निविदा प्रकियाओं में भाग नही ले सकेंगी। नगरीय प्रशासन विभाग ने जिन कंपनियों को ब्लैक लिस्ट किया है उनमें मेसर्स यादव ट्रेडर्स (खरगौन), मेसर्स हेमन्त जैन एण्ड एसोसिएट्स (इन्दौर), मेसर्स कार्तिक इन्टरपाईजेस (इन्दौर), मेसर्स शिवम कन्स्ट्रक्शन (शिवपुरी), मेसर्स विक्की कुमार तुरकोलिया (चम्पारण, बिहार), मेसर्स यशोदा मार्केटिंग (पटना, बिहार), मेसर्स के.एल.डी. क्रिएशन इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा.लि. (कानपुर, उत्तरप्रदेश) और मैसर्स पौराणिक ट्रेडर्स नागौद शामिल हैं। इसके अलावा अमृत 2.0 योजना अंतर्गत 44 निविदाकारों द्वारा निविदा स्वीकृत होने के उपरांत अनुबंध की कार्यवाही नहीं करने से गुण दोष के आधार पर सस्पेंशन और ब्लैकलिस्टिंग पर भी विचार किया जा रहा है। आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने बताया कि यह कार्रवाई विभाग द्वारा गुणवत्ता सुधार और कार्यों की धीमी गति को दुरूस्त करने के लिये एक मिशन के रूप में की जा रही है। इसके तहत ठेकेदारों द्वारा की गई अनियमितताओं और खराब गुणवत्ता के कारण उन्हें ब्लैकलिस्ट किया गया है और अब वे भविष्य में लोक निर्माण विभाग के पोर्टल पर काली सूची में दर्ज होंगे। आयुक्त श्री भोंडवे के अनुसार अन्य ठेकेदारों के खिलाफ भी जांच की प्रक्रिया जारी है और उन्हें जल्द ही ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। इस कठोर कदम के माध्यम से विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्वक और समय पर पूरे हों।

1000 किमी में बिछी पाइप लाइन, अरेरा कॉलोनी-अयोध्या नगर तक मिलेंगे कनेक्शन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) वीआईपी एरिया चार इमली, अरेरा कॉलोनी, अयोध्या नगर सहित कई इलाकों के रसोई घरों तक पहुंच जाएगी। इन इलाकों में पाइपलाइन बिछाई जा रही है। कुछ इलाकों में पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है। अब सिर्फ घरों तक कनेक्शन पहुंचाना है। थिंक गैस के अधिकारियों के मुताबिक, अभी तक भोपाल की 235 कॉलोनियों के रसोई घरों में 1.40 लाख आबादी तक यह गैस पहुंच चुकी है। 300 और कॉलोनियों में पाइपलाइन बिछा दी गई है। इससे इन कॉलोनियों की 2.50 लाख

आबादी तक यह गैस पहुंच जाएगी। नए साल में 500 कॉलोनियों में पीएनजी से चूल्हे जलेंगे। अभी 40 हजार घरों में 1.50 लाख से ज्यादा आबादी को पीएनजी सप्लाई की जा रही है।

बगरोदा, बागसेवनिया, मिसरोद, होशंगाबाद रोड, सागर रॉयल विलास, सागर रॉयल होम्स, आशिमा अनुपमा सिटी, जाटखेड़ी, रुचि लाइफ एस्केप, सागर गोल्डन पाम, पल्लवी नगर, फॉर्चून सौम्या, यशोदा गार्डन, दानिश नगर, हरवंश विहार, रजत नगर, भेल संगम कॉलोनी समेत आसपास की कॉलोनियों में, भेल टाउनशिप इलाके में सागर एस्टेट, सागर एवेन्यू, लीगल ट्रेसरार, निजामुद्दीन कॉलोनी, कल्पना नगर, छत्रपति नगर, करमवीर नगर, वेलकम अपार्टमेंट, सोनागिरी, कांता श्रवण, ज्योति नगर तक पीएनजी नेटवर्क है। अब इन प्रमुख एरिया में पहुंचेगी- अरेरा कॉलोनी ई 7, एमपी नगर, कटारा हिल्स, अयोध्या नगर, भानपुर, दानिश कुंज कोलार, चार इमली, गुलमोहर, शाहपुरा, त्रिलंगा

थिंक गैस प्रबंधन के मुताबिक, भोपाल में पीएनजी 190 किमी दूर राजगढ़ से हाई प्रेशर पाइपलाइन के जरिए आ रही है।

इंदौर शहर को हरा-भरा बनाना हम सब की जिम्मेदारी -मंत्री श्री विजयवर्गीय

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि इंदौर शहर को हरा-भरा बनाना हम सब की जिम्मेदारी है। हमें बच्चों को विरासत के रूप में यह हरियाली देकर जाना है। यह संपत्ति सोने-चांदी से भी मंहगी है। उन्होंने कहा कि मुझे गर्व है कि इंदौर में पौधरोपण के लिये जागृति है। मंत्री विजयवर्गीय रविवार को इंदौर में 3 करोड़ रूपये की लागत से किये जाने वाले विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि क्षेत्र में आज से

एक हजार पौधे और लगातार 11 दिनों तक एक-एक हजार पौधे लगाए जाएंगे। इस तरह 11 हजार पौधे पार्षद ममता सुभाष सुनेर के नेतृत्व में लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान का आह्वान किया। हम सब को इसे पूरा करना है। मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि सावन के महीने में एक पौधा लगाना एक शिव मंदिर के निर्माण के समान है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति, हमारी विरासत महान है। यूनेस्कों ने हमारे कई किलों को विश्व विरासत सूची में जगह दी गई है। हमारे किले-महल अनुसंधान के केंद्र है। उस समय इनको बनाने में शुद्ध वायु के आवागमन का ख्याल रखा जाता था इसलिए ये किले हजार साल पहले बगैर एयर कंडिशनर (ऐसी) के शीतल रहते थे।

इस अवसर पर इंदौर को आठवीं बार स्वच्छता का सिरमौर बनाने पर वार्ड-15 की समस्त महिला सफाई मित्रों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया और उपहार स्वरूप साड़ी भेंट कर सम्मानित किया गया।

गुड़-बेसन और गोबर से बना रहे जीवामृत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लम्बे समय तक रासायनिक खेती करने के बाद जैविक खेती की ओर बढ़ना बहुत मुश्किल होता है लेकिन उज्जैन के शंकरपुर के किसान ईश्वर सिंह डोडिया ने इसे आसान कर दिखाया। इसके लिए उन्होंने देशी तकनीक व परंपरागत तरीके अपनाए और लगातार नवाचार किए। अब वे दूसरे किसानों को भी जैविक खेती और लोगों को जैविक उत्पादों से लोगों को जोड़ रहे हैं। ईश्वर सिंह ने बताया- मेरे पास खेती की ढाई बीघा जमीन है। कैमिकल के प्रयोग से जमीन एक समय तक उपज देती है, फिर बंजर हो जाती है। मैंने कैमिकल व फर्टिलाइजर के दुष्परिणामों को जब समझा तो ठाना कि जैविक खेती ही

करूंगा। वर्ष 2013 में शुरुआत की तब मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं जानता था। मैंने सुभाष पालेकर पद्धति (शून्य बजट प्राकृतिक खेती) की जानकारी जुटाई, उसे अपनाया। शुरुआत में बाजार से जैविक उत्पाद खरीदे, फिर धीरे-धीरे गाय आधारित खेती शुरू की। पौधों को पोषण देने के लिए खट्टी छाछ का प्रयोग करना और जीवामृत बनाना शुरू किया। जीवामृत बनाने के लिए 10 किलो गोबर, 8-10 लीटर गोमूत्र, 2 किलो बेसन, 2 किलो गुड़ और आधा किलो बढ़कर झाड़ के नीचे की मिट्टी लेता हूं।

इससे 48 घंटे में जीवामृत तैयार हो जाता है। इसका छिड़काव भी कर सकते हैं और सिंचाई के साथ भी फसल में दे सकते हैं। इससे आवश्यक पोषक तत्व मिल जाते हैं। मैं अहमदाबाद की गिर गोशाला का गोकृपा अमृतम् भी काम में लेता हूं, जिसमें 100 से ज्यादा लाभदायक बैक्टीरिया होते हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान दिल्ली के वैज्ञानिक का बनाया वेस्ट-डी कंपोजर भी इस्तेमाल करता हूं। गोबर के उपले की राख को कीटनाशक के रूप में काम लेता हूं, जिससे पौधों को ऑक्सीजन और रॉक फॉस्फेट मिलती है, कीट नहीं लगते। डोडिया का कहना है- मुझे जैविक खेती से सालाना लगभग 12 लाख रुपए की आय हो रही है। मैंने खेत की फेंसिंग करवाकर मेड़ पर फलदार पेड़ जैसे जामफल, सीताफल सहित नींबू, सहजन आदि के पेड़ लगाए हैं।

जलभराव से बढ़ा बीमारियों का खतरा, अब तक डेंगू-चिकनगुनिया के 102 मरीज मिले

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बारिश का मौसम आते ही डेंगू-चिकनगुनिया का संक्रमण बढ़ गया है। शहर में अब तक 102 लोग डेंगू-चिकनगुनिया पॉजिटिव हो चुके हैं। इनमें दोनों ही बीमारियों के 51-51 केस शामिल हैं। इस साल अभी तक 5,394 से अधिक मरीजों का एलाइजा टेस्ट हो चुका है। 1 जनवरी से अभी तक 37 पुरुष, 53 महिलाएं और 12 बच्चे इसकी चपेट में आए हैं। स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि 44 से ज्यादा टीमें लार्वा खोजने और उसे नष्ट करने में लगी हुई हैं। अब तक दो लाख घरों का सर्वे हो चुका है। जरूरत पड़ने पर टीमों की संख्या और बढ़ाएंगे।

वहीं नगर निगम का कहना है कि शहर में 23 गाड़ियों से फॉगिंग कराई जा रही है। इसके लिए उन्हें रूट तय करके दिए गए हैं और जीपीएस लोकेशन भी शेयर की जा रहीं हैं। दूसरी ओर शहर में जगह-जगह लोग जलभराव से परेशान हैं। उनका कहना है कि इससे मच्छर बढ़ रहे हैं। निगम में शिकायत के बाद भी सफाई और जलनिकासी पर ध्यान ही नहीं दिया जा रहा है।

99 घरों के बीच 20 से ज्यादा बिल्लियां

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आमतौर पर भोपाल में स्ट्रीट डॉग एक बड़ी समस्या है, लेकिन शहर की एक कॉलोनी के लोग बिल्लियों से परेशान हैं। अयोध्या बायपास स्थित गणेश गीत विलास कॉलोनी में 99 बंगले हैं। रहवासियों के मुताबिक यहां 20 से ज्यादा बड़ी बिल्लियां और फिर उनके बच्चे। महेश सदानी मकान नंबर 8 में रहते हैं। उन्होंने बताया कि पूरी कॉलोनी बिल्लियों के आतंक से परेशान हैं। बच्चों पर झपट्टा मरती हैं, तो गाड़ियों की सीट खरोंच कर खराब कर देती हैं। रात को आपस में झगड़ती हैं... चीखती हैं, जिससे लोग सो नहीं पाते। नगर निगम से शिकायत की, तो उन्होंने कहा कि वह स्ट्रीट डॉग और बीमार जानवर को ही रेस्क्यू करते हैं, बिल्लियों को नहीं। अब हम कॉलोनी वासियों ने ही गाइडलाइन बनाई हैं। सम्माननीय कॉलोनीवासियों... हाल में कॉलोनी में आवारा बिल्लियों की संख्या में वृद्धि देखी गई है।

समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

शिकायतों का समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें : कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण की विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी स्तर पर कोई उदासीनता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जावेगी। संबंधित एल1 एवं एल2 अधिकारियों के विरूद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी। कलेक्टर ने कहा कि अगले दो दिनों में सीएम हेल्पलाइन की पुनः समीक्षा की जाएगी जिसमें प्रत्येक विभाग के खराब प्रगति वाले दो एल 1 अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

समय सीमा पत्रों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को प्राथमिकता पर कार्यवाही करते हुए प्रकरणों को निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सभी प्रकरणों की नस्ती कार्यवाही कर एक सप्ताह में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करेंगे। आगामी एक सप्ताह अभियान चलाकर टीएल प्रकरणों की वस्तुस्थिति से अवगत कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने सीएम हाउस तथा सीएम मॉनिट से प्राप्त पत्रों पर समय-सीमा में कार्यवाही कर अवगत कराने के निर्देश दिए हैं। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने समय-सीमा के अंदर समस्त प्रकरणों को निराकृत कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि समय-सीमा बाह्य प्रकरणों में संबंधित अधिकारियों तथा कर्मचारियों की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए नियमानुसार जुर्माने की कार्यवाही की जावेगी।

कलेक्टर ने सभी निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि भूअर्जन के प्रकरणों में प्राथमिकता से कार्यवाही करें। कलेक्टर ने कहा कि लोक निर्माण विभाग सहित अन्य विभाग ऐसे सभी प्रकरणों की समीक्षा कर अगले दो दिवस में जानकारी उपलब्ध करायेंगे। संबंधित उपखण्ड अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर सभी प्रकरणों में समय सीमा में कार्यवाही पूर्ण करेंगे। इसके साथ ही कलेक्टर ने सभी विभागों को ई-ऑफिस के तहत की कार्य करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा, सिहावल प्रिया पाठक, मझौली आरपी त्रिपाठी, चुरहट शैलेष द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर एसपी मिश्रा सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

सीधी में 5 फीट लंबे अजगर को पकड़ा, दो दिनों में 50 मुर्गियां निगली

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अजगर सोमवार को वन विभाग की टीम ने पकड़ा है। रामपुर नैकिन जनपद पंचायत के ग्राम पैपखरा में दो दिनों से 5 फीट लंबा अजगर ग्रामीणों को परेशान कर रहा था। ग्रामीणों ने शनिवार को इसे पहली बार प्रशांत कोल के घर के आसपास देखा था। इसके बाद से यह इधर-उधर छिपता रहा। मुर्गियों के लगातार गायब होने से लोगों को शक हुआ कि कोई बड़ा जानवर गांव में घुसा है।

वन विभाग की टीम ने किया रेस्क्यू: सोमवार दोपहर 2 बजे यह अजगर रामु कोल के घर के अंदर मिला। वहां से वन विभाग की टीम ने सावधानीपूर्वक इसका रेस्क्यू किया। वनपाल पंकज मिश्रा ने बताया कि यह पाइथन जहरीला नहीं होता। लेकिन यह अपने से पांच गुना बड़े जीव को भी निगलने की क्षमता रखता है।

अजगर ने जिंदा मुर्गी को अपने पेट से वापस उगला: यही कारण है कि यह बच्चों, पालतू जानवरों और घरेलू पक्षियों के लिए खतरनाक हो सकता है। रेस्क्यू के दौरान इस अजगर ने एक जिंदा मुर्गी को अपने पेट से वापस उगल दिया। इससे पता चला कि अजगर पिछले कुछ दिनों से गांव में ही सक्रिय था।

अजगर को जंगल में छोड़ा गया: ग्रामीणों की सूझबूझ और वन विभाग की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। वन विभाग ने लोगों से अपील की कि इस तरह के जीव दिखें तो तुरंत वन विभाग के कंट्रोल रूम को सूचना दें। इससे जानमाल का नुकसान रोका जा सकता है। रेस्क्यू के बाद अजगर को सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया। ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और वन विभाग का आभार व्यक्त किया।

कार्यपालन अभियंता विद्युत विभाग आशीष बेन ने कार्यभार संभाला

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। त्यौंथर विद्युत संभाग के नवागत कार्यपालन अभियंता आशीष बेन ने त्यौंथर कार्यालय पहुंचकर कार्यभार संभाला वही कार्यभार संभालते ही विद्युत संभाग त्यौंथर डिविजन के अंतर्गत समस्त कनिष्ठ अभियंता की बैठक ली वही साथ ही विभिन्न गांवों से आए विद्युत उपभोक्ताओं की भी समस्या सुनी साथ सम्बन्धित कनिष्ठ अभियंता को जल्द से जल्द निराकरण करने का निर्देश दिए साथ ही त्यौंथर,चाकघाट,रायपुर सोनौरी, लालगांव, कटरा, अतरैला सहित अन्य डीसी इलाके के समस्त विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की समय पर अपना बिजली बिल जमा करे साथ ग्रामीण इलाके के लोगों से आग्रह किया जहां जिस कमरे में जरूरत हो वहा विद्युत एल ई डी बल्ब का उपयोग करे बिना उपयोग के पंखे न चलाए साथ ही अगर किसी उपभोक्ता को विद्युत से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या है तो हम और हमारा विद्युत विभाग का स्टाफ चौबीस घंटे सातों दिन आपके सेवा में तत्पर रहेगा और आपकी समस्या का निदान करेगा ताकि आपको कोई भी समस्या से समाना न करना पड़े।

सूरज विकास समिति सेंगरवार द्वारा मनाया गया हरियाली महोत्सव नवांकुर सखी कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एक पेड़ मां के नाम अभियान कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ जिसमें जन अभियान परिषद रीवा के संभाग समन्वयक प्रवीण पाठक के कुशल निर्देशन में जिला समन्वयक जागेश्वर ताम्रकार, ब्लाक समन्वयक अनीता मिश्रा, अमित अवस्थी के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश शासन की अति महत्वाकांक्षी योजना नवांकुर सखी कार्यक्रम के अंतर्गत स्वैच्छिकता के आधार पर महिलाओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत सूरज विकास समिति सेंगरवार की अध्यक्ष अल्का द्विवेदी और सचिव शिवा कांत पांडेय के द्वारा वृहद स्तर पर नवांकुर सखी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम की शुरुआत मां वीणवादिनी सरस्वती जी के चरणों में दीप प्रज्वलन कर विधिवत पूजा अर्चना के साथ किया गया तथा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत समिति के सचिव शिवा कांत पांडेय द्वारा उनको पौधा देकर किया गया कार्यक्रम में आदर्श ग्राम सेंगरवार की लगभग सौ से महिलाओं की भागीदारी रही इन महिलाओं को 11 /11 पौधे आम, नीम, जामुन, नींबू, कटहल के लगभग 1800 पौधे मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत सतपुरा के सरपंच अरुणोदय आदिवासी द्वारा प्रदान किए गए हैं तथा महिलाओं से आग्रह किया गया की इन पौधों को अपने घर में विधिवत अपने बच्चों की तरह पालन पोषण करते हुए तैयार कीजिए जिससे यह भविष्य में पर्यावरण के लिए लाभकारी हो तथा स्वरोजगार के अवसर मिले इस कार्यक्रम में आदर्श ग्राम की महिलाओं द्वारा सावन के गीतों से,कजरी के गीत से गुंजायमान होकर गाजे बजे के साथ विधिवत सूरज पब्लिक स्कूल सेंगरवार से मां शीतला धाम मंदिर सेंगरवार तक भव्य कलश यात्रा निकाल कर जागरूकता रैली कार्यक्रम किया गया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्राम सतपुरा के सरपंच अरुणोदय आदिवासी अध्यक्षता सचिव बेदी लाल विशिष्ट अतिथि डॉक्टर पी के मिश्रा खण्ड पशु चिकित्सा अधिकारी, रोजगार सहायक आशीष सिंह, आशा केवट आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, इंद्र कली केवट आंगनवाड़ी सहायिका, ज्ञानवती द्विवेदी आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे कार्यक्रम में तेजस्विनी महिला मंडल त्यौंथर की अध्यक्ष ज्योति सिंह द्वारा कुशल मंच संचालन किया गया तथा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सोहागी के अध्यक्ष रजनीकांत द्वारा कजली गीत गाकर सबका मन मोह लिया कार्यक्रम में परामर्श दाता राजेश, विवेक बी एस डब्ल्यू और एम एस डब्ल्यू के छात्र नितेश द्विवेदी, नर्सरी की देखरेख करने वाले सतीश मांझी और रमेश मांझी इत्यादि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के गरिमामय आयोजन के लिए तैयारी बैठक आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले भर में आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह पूर्वक मनाया जायेगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम पुलिस परेड ग्राउंड सीधी में आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने कहा कि गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन भव्यता के साथ हर्षोल्लास एवं गरिमामय ढंग से किया जाये। यह प्रत्येक भारतवासी के लिए महत्वपूर्ण दिवस है। जिला स्तरीय आयोजन भावी पीढ़ी के लिए ज्ञानवर्धक तथा उत्साहवर्धक हो जिससे वह स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए किए गए संघर्षों, त्याग और बलिदानों को समझे तथा उनमें देशप्रेम की भावना जागृत हो।

कलेक्टर ने कहा कि शासन के निर्देशों के अनुसार जिला, विकासखण्ड तथा ग्राम पंचायत स्तर पर समारोह आयोजित किये जायेंगे। जिला स्तरीय समारोह पुलिस परेड ग्राउंड सीधी में प्रातः 9 बजे मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण से आरंभ होगा। समारोह में जिला पुलिस बल, एसएएफ होम गार्ड, वन विभाग तथा एनसीसी के कैडेट द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी जायेगी। समारोह में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री जी के स्वतंत्रता दिवस संदेश का वाचन करेंगे। इसी तरह नगरीय निकायों, जनपद पंचायतों तथा ग्राम पंचायतों में भी ध्वजारोहण किया जायेगा। सभी शासकीय तथा अर्धशासकीय कार्यालयों एवं शिक्षण संस्थाओं में भी प्रातः 8 बजे तक ध्वजारोहण किया जायेगा। सभी शासकीय भवनों में 14 एवं 15 अगस्त की रात में रोशनी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

कैंडल मार्च निकाला कर वीर सपूतों को दी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पंडित चन्द्रशेखर युवा उत्थान संस्थान त्यौंथर द्वारा कैंडल मार्च निकाला गया जिसमें सोहागी चौराहे से थाना तक कैंडल मार्च एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर देश के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर आजादी के दोनों महानायकों के छायाचित्रों पर पुष्पार्जलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया।थाना प्रभारी सोहागी पवन शुक्ला ने इस बात पर चिंता जताई कि आजादी के इतने साल बाद भी चंद्रशेखर आजाद व बाल गंगाधर तिलक जैसी महान विभूतियों की कोई प्रतिमा स्थापित नहीं की गई। थाना प्रभारी ने बताया कि वह ऐसे अग्रणी नेता थे जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की भावना को दृढ़ विश्वास के साथ प्रज्वलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।'' राष्ट्रवादी आंदोलन को लोकप्रिय बनाने के तिलक के प्रयासों ने उन्हें लोकमान्य की उपाधि दिलाई। उनका नारा ''स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा'' लोगों के दिलों में उतर गया। वह अद्वितीय वीरता और साहस के प्रतीक थे।

उन्होंने कहा, ''स्वतंत्रता के भारत के प्रयासों में उनकी भूमिका का बहुत सम्मान किया जाता है और यह भूमिका हमारे युवाओं को साहस एवं दृढ़ विश्वास के साथ न्याय के पक्ष में खड़े होने के लिए प्रेरित करती है। आजाद अंग्रेज शासन के विरुद्ध क्रांतिकारी आंदोलन का हिस्सा थे और माना जाता है कि उन्होंने पुलिस के साथ मुठभेड़ के दौरान अपनी पिस्तौल खुद पर तान ली थी तथा वह औपनिवेशिक शासकों द्वारा कभी न पकड़े जाने की अपनी प्रतिज्ञा पर अडिग रहे। जब उनकी मौत हुई, उस समय उनकी आयु मात्र 24 वर्ष थी। इस अवसर पर उमाशंकर तिवारी, आजाद अनिकेत संगठन अध्यक्ष, अभिषेक शुक्ला उपाध्यक्ष, अशोक गुप्ता, शनि जायसवाल, अजीत दुवे, प्राकृत चंद्र गुप्ता, आदर्श मिश्रा, आयुष केसरवानी, सत्यम गुप्ता, साहिल नामदेव, दिलीप वर्मा, आशीष कुमार, आदित्य चतुर्वेदी, कुनाल गुप्ता, सुधांशु चतुर्वेदी, शिवम्, विनय मिश्रा, विजय बहरौलिया, शिवदयाल तिवारी सहित अन्य कार्यकर्ता एवं मार्गदर्शन उपस्थित रहे।

12 घंटे से धरने पर ग्रामीण, ट्रैक्टर हादसे के बाद सड़क पर बैठे; सरपंच-सचिव मौके पर नहीं पहुंचे

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के कुसमी ग्राम पंचायत भवन के पास रविवार रात खेत जोतकर लौट रहा ट्रैक्टर खराब सड़क के कारण बेकाबू होकर पलट गया। इस दुर्घटना में चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। एक अन्य व्यक्ति को भी अंदरूनी चोटें आईं। हादसे के बाद ग्रामीण रविवार रात से 10 बजे से लगातार धरने पर बैठे हैं। सोमवार सुबह तक 12 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बावजूद न तो सरपंच मौके पर पहुंची। न ही सचिव ने कोई संज्ञान लिया। इस लापरवाही से आक्रोशित ग्रामीण अब बड़े आंदोलन की तैयारी में जुट गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि यह सड़क वर्षों से जर्जर हालत में है। इसके लिए कई बार सरपंच चंद्रावती और सचिव विपिन सिंह बघेल से गुहार लगाई गई। लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई। गांव के निवासी रेवती सिंह मरावी ने बताया कि यह सड़क स्वीकृत हो चुकी है। लेकिन सरपंच और सचिव की लापरवाही के चलते काम शुरू नहीं हो सका है।

सरपंच और सचिव नहीं दे रहे जवाब: ट्रैक्टर मालिक राकेश सिंह मरावी ने बताया कि प्रस्ताव पास होने के बावजूद सड़क निर्माण नहीं हो रहा। उन्होंने हादसे की जानकारी मिलते ही दोनों को फोन किया। लेकिन न सरपंच ने जवाब दिया, न सचिव ने कॉल रिसीव किया। सरपंच चंद्रावती का घर हादसे से महज आधे किलोमीटर की दूरी पर है। इसके बावजूद वह बाहर नहीं निकलीं।

सीईओ बोले देरी के लिए जांच कराई जाएगी: जनपद पंचायत कुसमी के सीईओ ज्ञानेंद्र मिश्रा ने कहा है कि यदि सड़क का प्रस्ताव स्वीकृत है, तो सचिव से जानकारी लेकर उचित कार्रवाई की जाएगी।

जीर्ण शीर्ण शाला भवन एवं कक्ष में शाला संचालित नहीं करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र ने जानकारी देकर बताया है कि सीधी जिले में शासकीय प्राथमिक शाला 1107, शासकीय माध्यमिक शाला 457, शासकीय हाईस्कूल 102 एवं शासकीय उ.मा.विद्यालय 107 कुल शासकीय शालायें 1773 है। सीधी जिले के 05 विकासखण्डों के समस्त विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक, प्राचार्य एवं प्रधानाध्यापक को जिला शिक्षा अधिकारी तथा जिला शिक्षा केन्द्र कार्यालय से जून 2025 में आदेशित किया गया है कि जीर्ण शीर्ण शाला भवन एवं कक्ष में शाला संचालित नहीं की जानी है। इस संबंध में विकासखण्ड से प्राप्त जानकारी के आधार पर 55 प्राथमिक/ माध्यमिक शालाओं को नजदीकी शाला भवन/अन्य शासकीय भवन संचालित करने का आदेश जारी किया जा चुका है। वर्तमान में जानकारी अनुसार किसी भी शाला का संचालन जर्जर भवन/कक्ष में नहीं किया जा रहा है। इसके लिए सतत् रूप से जनशिक्षक, उपयंत्री के माध्यम से जानकारी प्राप्त की जा रही है जिस पर तत्काल शाला अन्य भवन में संचालित किये जानें का आदेश जारी किया जायेगा। साथ ही जर्जर भवनों के डिसमेंटल हेतु आदेशित किया गया है ऐसे भवनों के डिसमेंटल की कार्यवाही अनुविभागीय अधिकारी राजस्य एवं लोक निर्माण विभाग के माध्यम से चल रही है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार सीधी जिले में कोई भी शासकीय शाला जर्जर कक्ष एवं भवन में संचालित नहीं की जा रही है।

महाकाल की तर्ज पर बने शिवलिंग का सामूहिक रुद्राभिषेक, सावन सोमवार पर बैढ़न में 31 परिवारों ने किया अनुष्ठान

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के बैढ़न रामलीला ग्राउंड में सावन सोमवार के अवसर पर सामूहिक रुद्राभिषेक किया गया। इसका आकर्षक पहलू उज्जैन के महाकाल की तर्ज पर बनाया गया शिवलिंग रहा। बैढ़न के संयुक्त व्यापारी मंडल की ओर से लगभग 5 साल पहले शुरू किया गया यह आयोजन अब हर साल सावन सोमवार पर नियमित रूप से होता है। इस वर्ष 31 वेदियां बनाई गईं, जिन पर परिवारों ने एक साथ रुद्राभिषेक किया गया।

इसमें शामिल होने वाले भक्त अशोक सिंह ने बताया कि वे कई वर्षों से इस आयोजन का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, परिवार के साथ बैठकर रुद्राभिषेक करने से बड़ी शांति मिलती है। पुजारी अनुजधार द्विवेदी ने बताया कि सावन सोमवार पर भगवान भोलेनाथ की आराधना का सबसे सरल माध्यम रुद्राभिषेक है। उन्होंने सभी भक्तों को पूरे विधि-विधान से रुद्राभिषेक कराया।

कार्यक्रम में रुद्राभिषेक करने वाले भक्तों के अलावा 50 से अधिक लोग इस अनुष्ठान को देखने के लिए पहुंचे। संयुक्त व्यापार मंडल के अध्यक्ष राजा राम केसरी ने बताया कि उनका उद्देश्य सभी भक्तों को रुद्राभिषेक कराना है। उन्होंने कहा, कई बार लोग चाहकर भी अपने घर में रुद्राभिषेक नहीं कर पाते। हमारा प्रयास है कि भगवान भोलेनाथ की आराधना से कोई भी वंचित ना रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 2991/न.पा.नि./राजस्व/2025-26 रीवा, दिनांक 28/07/2025

अचल सम्पत्ति नामांतरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व नगर सुधार न्यास रीवा की योजना क्रमांक-8 इन्द्रिरा नगर जो नगर पालिक निगम रीवा के स्वामित्व में है, में स्थित जूनि.एम.आई.जी. भवन क्रमांक 1/13/687 क्षेत्रफल 1022.20 वर्गफिट श्री वरूण कुमार बोस पिता स्व. श्री शशि भूषण बोस निवासी इन्दिरा नगर रीवा (म.प्र.) को 30 वर्षीय लीज पर आवंटित है, उक्त भवन का नामान्तरण श्री मनोज कुन्देर पिता स्व. श्री लक्ष्मण प्रसाद कुन्देर निवासी इन्द्रिरा नगर रीवा (म.प्र.) के नाम किये जाने हेतु दिनांक 01.07.2025 को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त जूनि.एम.आई.जी. भवन क्रमांक 1/13/687, के नामान्तरण में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो, तो समाचार पत्रों में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि तक कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात् कोई आवेदन/आपत्ति न तो ग्रहण की जावेगी और न ही मान्य की जावेगी। तत्पश्चात् आवेदक श्री वरूण कुमार बोस पिता स्व. श्री शशि भूषण बोस निवासी इन्दिरा नगर रीवा (म.प्र.) के आवेदन अनुसार जूनि.एम.आई.जी. भवन क्रमांक 1/13/687 क्षेत्रफल 1022.20 वर्गफिट का नामान्तरण श्री मनोज कुन्देर पिता स्व. श्री लक्ष्मण प्रसाद कुन्देर निवासी इन्दिरा नगर रीवा (म.प्र.) के नाम करने की कार्यवाही की जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व)
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

संपादकीय

धनखड़ के इस्तीफे ने भाजपा की मुश्किलें बढ़ा दी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफा देने, मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट से सभी 12 आरोपियों के बरी होने और संसद के हंगामेदार मानसून सत्र पर इस हफ्ते पंजाबी अखबारों ने अपनी राय प्रमुखता से रखी है।

उपराष्ट्रपति के इस्तीफे पर जालंधर से प्रकाशित %पंजाबी जागरण% लिखता है- उपराष्ट्रपति के अचानक इस्तीफे से उठ रहे कई सवाल सही हैं और उनका जवाब मिलना चाहिए, लेकिन यह कहना मुश्किल है कि जवाब मिलेंगे या नहीं। उनका इस्तीफा इसलिए भी अधिक आश्चर्यजनक है, क्योंकि दिन में वे सदन में सक्रिय थे और रात में उन्होंने यह कहते हुए इस्तीफा दे दिया कि स्वास्थ्य कारणों से उन्हें ऐसा करना पड़ रहा है। कयास लगाए जा रहे हैं कि उनके और सरकार के बीच किसी मुद्दे पर मतभेद हो गए और फिर वे इस हद तक बढ़ गए कि उन्होंने इस्तीफा देना ही उचित समझा। अखबार लिखता है- उपराष्ट्रपति का इस्तीफ़ा ऐसे समय में आया है जब भाजपा अपना नया अध्यक्ष चुनने की जद्दोजहद में लगी हुई है। अब भाजपा को उपराष्ट्रपति पद के लिए भी उम्मीदवार ढूंढना होगा। ज़ाहिर है जगदीप धनखड़ ने भाजपा की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। चंडीगढ़ से प्रकाशित 'रोजाना स्पोक्समैन' लिखता है- धनखड़ ने अपना राजनीतिक जीवन जनता दल से शुरू किया और प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की सरकार में राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया। जनता दल के पतन के बाद, वे कांग्रेस में शामिल हो गए। वह 2003 से भाजपा में थे और उसी पार्टी ने उन्हें 2019 में पश्चिम बंगाल का राज्यपाल बनाया। अगस्त 2022 में, उन्होंने एनडीए के उम्मीदवार के रूप में उपराष्ट्रपति चुनाव जीता। जालंधर से प्रकाशित 'अजीत' लिखता है- वे पिछले तीन सालों से उपराष्ट्रपति पद पर थे, समय-समय पर उनके द्वारा दिए गए स्पष्ट बयानों से सरकार सहित अन्य पक्ष नाराज होते देखे गए। इस घटना ने निस्संदेह भारत के संसदीय इतिहास में एक नया और अनूठा अध्याय जोड़ा है। चंडीगढ़ से प्रकाशित 'देशसेवक' लिखता है- उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति के रूप में जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी के एजेंडे को लागू करने का कोई मौका नहीं छोड़ा। इससे पहले उपराष्ट्रपति वी.वी. गिरि ने और आर. वेंकटरमन ने इस्तीफ़ा दिया था, लेकिन दोनों के इस्तीफ़े की वजह ख़ास थी। यह समझना मुश्किल नहीं है कि धनखड़ के इस्तीफे का कारण सिर्फ़ स्वास्थ्य समस्याएं नहीं हैं, बल्कि असली कारण को छुपाया जा रहा है। जालंधर से प्रकाशित %नवां जमाना% लिखता है- कुछ सांसदों का दावा है कि धनखड़ को पहले से ही पता था कि उनका इस्तीफा मांगा जाएगा, यही वजह है कि उन्होंने जानबूझकर सत्र के पहले दिन खड़गे को बोलने का समय दिया। उनके मुताबिक, इस्तीफ़ा भी किसी ताकतवर नेता ने लिखा था, धनखड़ ने सिर्फ़ दस्तख़त किए थे। अगले साल मई में वे 75 साल के हो जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी इस साल सितंबर में 75 साल के हो जाएंगे। आरएसएस ने नरेंद्र मोदी पर इस्तीफ़ा देने का दबाव बनाने के लिए धनखड़ को इस्तीफ़ा देने के लिए राज़ी किया है। चंडीगढ़ से प्रकाशित 'पंजाबी ट्रिब्यून' लिखता है- उपराष्ट्रपति के इस्तीफा देने के निर्णय को विडंबनापूर्ण बनाने वाली बात यह है कि इसमें विपक्ष की भूमिका में बदलाव आया है। कुछ महीने पहले ही कांग्रेस जैसी पार्टियां उन पर संवैधानिक मूल्यों को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही की मांग कर रही थीं। आज, वे यह दावा करके उनकी प्रतिष्ठा का बचाव कर रहे हैं कि उनके जाने के पीछे गहरे कारण हैं। भाजपा की चुप्पी इस कहानी को और हवा दे रही है। उनके आलोचकों ने उन्हें एक ऐसे व्यक्ति के रूप में देखा जो संवैधानिक निष्पक्षता और पार्टी निष्ठा के बीच की रेखा को धुंधला कर रहा था।

सर्वाधिक विवादास्पद राज्यपाल और उपराष्ट्रपति रहे हैं धनखड़

योगेंद्र योगी

जगदीप धनखड़ 2019 से 2022 तक पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे। इस दौरान उनका हमेशा सीएम ममता बनर्जी से टकराव बना रहा। धनखड़ ने कई बार सीएम ममता बनर्जी और उनकी सरकार की आलोचना की। धनखड़ ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और शासन की विफलता के आरोप लगाए। कार्यकाल समाप्ति से दो साल पहले उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने वाले जगदीप धनखड़ का कार्यकाल सर्वाधिक विवादों से भरा रहा है। देश में इतने विवाद उपराष्ट्रपति और राज्यपाल पद पर रहते हुए किसी के साथ नहीं जुड़े, जितने धनखड़ के नाम दर्ज हैं। इस पद पर रहते हुए धनखड़ पर कई तरीके के आरोप लगे। उपराष्ट्रपति पद से पहले पश्चिम बंगाल में राज्यपाल रहते हुए भी धनखड़ विवादों से घिरे रहे। केंद्र की भाजपा सरकार ने मुयमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ सत रवैया अपनाने वाले धनखड़ को ईनाम के तौर पर उपराष्ट्रपति पद से नवाजा था। इसके बावजूद कि धनखड़ का न तो भारतीय जनता पार्टी और न ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से कभी गहरा सरोकार रहा।

जगदीप धनखड़ 2019 से 2022 तक पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे। इस दौरान उनका हमेशा सीएम ममता बनर्जी से टकराव बना रहा। धनखड़ ने कई बार सीएम ममता बनर्जी और उनकी सरकार की आलोचना की। धनखड़ ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और शासन की विफलता के आरोप लगाए। उनके इस रुख को विपक्ष ने पक्षपातपूर्ण माना, क्योंकि एक संवैधानिक पद पर रहते हुए उनकी टिप्पणियां सरकार के खिलाफ थीं। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति के रूप में धनखड़ का विपक्षी दलों के साथ रिश्ता हमेशा तनावपूर्ण रहा। विपक्ष ने उन पर पक्षपात और सरकार के पक्ष में बोलने का आरोप लगाया। राज्यसभा अध्यक्ष के रूप में धनखड़ पर पक्षपात के आरोप लगे।

विपक्षी इंडिया गठबंधन ने आरोप लगाया कि धनखड़ ने राज्यसभा की कार्यवाही में पक्षपात किया और भाजपा सदस्यों को प्राथमिकता दी जबकि विपक्ष की आवाज को दबाया। विपक्ष ने इसे लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ बताते हुए उपराष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला कदम करार दिया था। देश में ऐसा पहली बार हुआ जब विपक्षी दलों ने राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। हालांकि इस प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिल सकी। विपक्षी दलों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, समाजवादी पार्टी और वाम दलों के 60 से ज्यादा सांसदों ने संविधान के अनुच्छेद 67(ब) के तहत धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। प्रस्ताव में उन्हें सरकार का प्रवक्ता कहा गया और निष्पक्षता की गंभीर कमी बताई गई।

जनवरी 2023 में धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट की मूल संरचना सिद्धांत के पुनरावृत्ति के संदर्भ में बयान दिया था, जिसे लेकर विवाद खड़ा हो गया था। उन्होंने कहा था कि संसद के बनाए कानूनों को अगर अदालत रोक देती है तो यह लोकतंत्र के लिए खतरा होगा। विपक्ष ने उपराष्ट्रपति के बयान पर केंद्र सरकार पर हमला बोला। विपक्ष ने इसे न्यायपालिका की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप बताया। जस्टिस वर्मा के घर पर कैश बरामदगी मामले में धनखड़ के बयान के बाद भी राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) को लेकर बहस छिड़ गई थी धनखड़ ने कहा था कि यदि सुप्रीम कोर्ट ने इसे रद्द नहीं किया होता तो बात कुछ अलग होती। गौरतलब है कि एनजेएसी को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर किया था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर 2020 दिसंबर में भी धनखड़ ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश संसद की संप्रभुता से समझौता है और जनादेश का अपमान है। मार्च 2023 में धनखड़ ने शैक्षणिक संस्थानों और छात्र राजनीति पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा था कि कुछ विश्वविद्यालय देश विरोधी विचारधाराओं की शरणस्थली बन चुके हैं। उपराष्ट्रपति के इस बयान को जेएनयू और कुछ अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों की ओर इशारा माना गया। विपक्षी दल, जैसे सीपीआई और सीपीएम ने उपराष्ट्रपति के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति की यह भाषा संघी एजेंडे की झलक देती है। छात्र संगठनों ने धनखड़ से बयान वापस लेने की मांग की थी। किसान आंदोलन के दौरान जगदीप धनखड़ ने किसानों की आलोचना की। उन्होंने कहा था कि किसान आंदोलन के नाम पर सड़कों पर बैठ कर राष्ट्र को बदनाम कर रहे है, वे किसान नहीं है। धनखड़ की इस टिप्पणी पर किसान संगठनों और खाप संगठनों ने आपत्ति जताई। अक्टूबर 2024 में उन्होंने सीबीआई और ईडी के समर्थन में बयान दिया था। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा था कि, सीबीआई और ईडी पर सवाल उठाना भारत के न्यायिक तंत्र को कमजोर करता है। उनके इस बयान को विपक्षी दलों ने जांच एजेंसियों की मनमानी कार्रवाई का समर्थन के तौर पर माना।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश द्वारा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव 27 मार्च 2025 को लाया गया। इस विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव को धनखड़ ने खारिज कर दिया। अमित शाह ने आरोप लगाया था कि यूपीए शासनकाल में पीएमएनआरएफ (प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष) पर सोनिया गांधी का नियंत्रण था। धनखड़ ने एक प्रेस विज्ञप्ति का हवाला देते हुए इसे सत्यापित बयान बताया। अगस्त 2024 में महिला गरिमा पर बहस के दौरान राज्यसभा में समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने धनखड़ की बोलने की शैली और हाव-भाव पर आपत्ति जताई। बच्चन ने कहा कि उनकी टोन अनुचित है। इसके जवाब में धनखड़ ने कहा कि आप सेलिब्रिटी हो सकते हैं लेकिन सदन की मर्यादा समझिए।

दिसंबर 2023 में उपराष्ट्रपति धनखड़ पर अधिवेशन में विपक्षी सांसदों को रोकने का आरोप लगा था। विपक्षी दलों के नेताओं ने आरोप लगाया कि संसद के शीत सत्र में विपक्षी सांसदों के साथ पक्षपात किया जा रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि यह उपराष्ट्रपति नहीं, भाजपा प्रवक्ता की तरह बर्ताव कर रहे हैं। सभापति धनखड़ संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही का संचालन करते हुए लोकतंत्र को खतरा वाला बयान दिया। जिसे लेकर जमकर विवाद हुआ। उन्होंने कहा था कि कुछ लोग लोकतंत्र को खत्म करने में लगे हैं और उन्हें संसद में नहीं देशद्रोहियों के कटघरे में होना चाहिए। उपराष्ट्रपति धनखड़ का यह बयान इशारे के तौर पर विपक्ष की संसद में बहिष्कार रणनीति के संदर्भ में दिया गया। कई विपक्षी नेताओं ने असहमति जताते हुए कहा था कि यह लोकतंत्र में असहमति को दबाने की कोशिश है।

धनखड़ अपने कार्यकाल के दौरान संवैधानिक संस्थानों और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर अपनी टिप्पणियों के लिए भी चर्चा में रहे। उन्होंने आरएसएस को वैश्विक थिंक टैंक और राष्ट्र निर्माण में निर्विवाद भूमिका वाला संगठन बताया, जिसे विपक्ष ने भाजपा के प्रति उनकी निष्ठा के रूप में बताया। राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधानसभा चुनाव के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीश धनखड़ के बार-बार राजस्थान दौरे को लेकर आपत्ति जताई थी। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा था कि शेखावत साहब भी उपराष्ट्रपति बने थे। लेकिन उन्होंने कहा था कि राजस्थान मेरा घर है। यहां कोई प्रोटोकॉल नहीं होगा। जबकि उपराष्ट्रपति धनखड़ पूरे प्रोटोकॉल के तहत राजस्थान के दौरे पर आ रहे हैं।

गहलोत ने उपराष्ट्रपति धनखड़ पर तंज कसते हुए कहा था कि आप उपराष्ट्रपति हैं। आपका स्वागत है। लेकिन इस तरीके से बार-बार राजस्थान में अपना दौरा करेंगे तो, जनता तो सब समझती है। इस दौरे को करने की क्या तुक हैं। जनता समझती है। राजस्थान में चुनाव है, इसलिए उपराष्ट्रपति भी सक्रिय हैं। संविधान में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल जैसे संवैधानिक पदों के लिए विशेष प्रावधान और सम्मान है। सवाल यह है कि इन प्रावधानों और सम्मान के विपरीत पदों को विवादित बनाने से इन पदों की गरिमा कैसे बनी रहेगी, यह इन पदों पर आसीन लोगों के विचारणीय प्रश्न है।

चीन और पाकिस्तान का पक्का इलाज करने के लिए सेना बना रही है रुद्र ब्रिगेड और भैरव बटालियन

नीरज कुमार दुबे

भारतीय सेना अपनी युद्धक क्षमताओं को और अधिक सशक्त बनाने के लिए बड़े पैमाने पर पुनर्गठन कर रही है। हम आपको बता दें कि सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने घोषणा की है कि सेना नई 'रुद्र ब्रिगेड' और 'भैरव लाइट कमांडो बटालियन' का गठन कर रही है। देखा जाये तो यह कदम भारत-चीन और भारत-पाकिस्तान की सीमाओं पर तेजी से प्रतिक्रिया देने और भविष्य की युद्ध चुनौतियों का सामना करने की दिशा में एक बड़ा बदलाव है।

हम आपको बता दें कि रुद्र ब्रिगेड मौजूदा दो इन्फैंट्री ब्रिगेड्स को रूपांतरित करके तैयार की जा रही हैं। इनका उद्देश्य एक ही संरचना में सभी युद्धक शाखाओं को एकीकृत करना है, ताकि सीमाई हालात में अतिरिक्त सैनिक तैनात करने की आवश्यकता नहीं पड़े। इसमें इन्फैंट्री, मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री, टैंक, आर्टिलरी, स्पेशल फोर्सेस, ड्रोन और लॉजिस्टिक सपोर्ट यूनिट्स शामिल होंगे। इन ब्रिगेड्स को एकीकृत कमांड स्ट्रक्चर के तहत रखा जाएगा, जिससे युद्ध के दौरान विभिन्न शाखाओं में बेहतर समन्वय हो सके। ब्रिगेड की संरचना ऑपरेशनल क्षेत्र और भूमिका के आधार पर अलग-अलग होगी। मैदानी इलाकों में मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री, टैंक रेजीमेंट और स्वचालित आर्टिलरी के साथ तेज़ गति वाले आक्रामक ऑपरेशन किये जा सकेंगे। वहीं पहाड़ी क्षेत्रों में इन्फैंट्री बटालियन और हाई-एल्टीट्यूड युद्ध के लिए सक्षम आर्टिलरी इकाइयां काम आयेंगी। हम आपको बता दें कि प्रत्येक रुद्र ब्रिगेड में ड्रोन आधारित निगरानी, एरिया सैचुरेशन वेपन और रियल-टाइम इंटेलिजेंस का समावेश होगा। इससे सीमाई परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने की क्षमता

बढ़ेगी। वहीं भैरव लाइट कमांडो बटालियन की बात करें तो आपको बता दें कि रुद्र ब्रिगेड्स के साथ-साथ सेना 'भैरव लाइट कमांडो बटालियन' भी बना रही है। ये पारंपरिक स्पेशल फोर्सेस की तरह गहरे रणनीतिक ऑपरेशन पर केंद्रित नहीं होंगी, बल्कि सीमाई क्षेत्रों में त्वरित आक्रमण, गतिशीलता और तेज़ प्रभाव पैदा करने के लिए तैनात की जाएंगी। ये बटालियन हल्की, चपल और छोटे पैमाने पर त्वरित ऑपरेशनों में विशेषज्ञ होंगी। ये बटालियन हमेशा तैयार रहेंगी ताकि सीमा पर दुश्मन को चौंका सकें।

हम आपको बता दें कि भारतीय सेना की मौजूदा 250 सिंगल-आर्म ब्रिगेड्स (लगभग 3,000 सैनिकों वाली) को सभी युद्धक शाखाओं से लैस ब्रिगेड्स में बदला जा रहा है। ये नई संरचनाएं लॉजिस्टिक सपोर्ट के साथ आत्मनिर्भर होंगी। प्रारंभिक चरण में इन्हें सीमित संख्या में तैयार किया जा रहा है। यह अवधारणा सेना की पुरानी इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप योजना पर आधारित है। क्यों जरूरी हैं रुद्र ब्रिगेड और भैरव बटालियन? जहां तक यह सवाल है तो आपको बता दें कि भारत की सीमाएं चीन और पाकिस्तान जैसे दो मोर्चों पर सक्रिय खतरों से घिरी हुई हैं। भविष्य के युद्ध तेज गति और बहु-दिशात्मक हमलों की मांग करते हैं। इन नई इकाइयों से सेना तेज तैनाती (12-48 घंटे), बेहतर समन्वय और उन्नत अग्नि-शक्ति के साथ दुश्मन को जवाब दे सकेगी।

इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप को देखें तो आपको बता दें कि पारंपरिक ब्रिगेड से बड़ी और डिवीजन से छोटी स्व-निर्भर युद्ध इकाई होती है (करीब 5,000 सैनिक)। इसमें इन्फैंट्री, आर्मर्ड, आर्टिलरी, इंजीनियर और सपोर्ट सर्विसेज शामिल होते हैं। इसका उद्देश्य है कि किसी भी आक्रमण की स्थिति में 12-48 घंटे में तैनाती की जा सके। फिलहाल दो बनाए जाने की योजना है- 9 कॉर्प्स (पाकिस्तान सीमा पर), 17 स्ट्राइक कॉर्प्स (चीन सीमा पर)

हम आपको बता दें कि भारतीय सेना का भविष्य दृष्टिकोण तकनीक आधारित तेज़ युद्धक क्षमता पर आधारित है। इसलिए सेना ने हाल के वर्षों में युद्धक क्षमताओं को आधुनिक बनाने पर जोर दिया है। जैसे- ड्रोन प्लाटून अब अधिकांश इन्फैंट्री बटालियनों का हिस्सा हैं। आर्टिलरी रेजीमेंट को लॉइटरिंग म्युनिशन से लैस किया गया है। रुद्र ब्रिगेड और भैरव बटालियन इन तकनीकों को एकीकृत कर युद्ध में सटीकता और तेजी लाएंगी।

भारतीय सेना की युद्ध रणनीति में जो बड़े बदलाव स्पष्ट नजर आ रहे हैं वह हैं- सेना अब पारंपरिक धीमी गति वाले ऑपरेशनों से हटकर तेज, लचीले और बहु-आयामी हमलों पर जोर दे रही है। रुद्र ब्रिगेड और भैरव बटालियन भारत को चीन और पाकिस्तान दोनों सीमाओं पर तेज़ प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाएंगी। ड्रोन, रियल-टाइम निगरानी और नेटवर्क आधारित युद्धक क्षमता सेना को फ्यूचर-रेडी बनाएगी। इन ब्रिगेड्स को अलग से सैनिक या सपोर्ट भेजने की आवश्यकता नहीं होगी, जिससे प्रतिक्रिया समय घटेगा।

बहरहाल, रुद्र ब्रिगेड और भैरव लाइट कमांडो बटालियन का गठन भारतीय सेना की युद्ध रणनीति में क्रांतिकारी बदलाव है। यह न केवल सेना की आक्रामक और रक्षात्मक क्षमताओं को बढ़ाएगा, बल्कि यह संदेश भी देगा कि भारत अब तेजी, सटीकता और तकनीक से लैस युद्धक शक्ति के साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार है।

चोरहटा थाने में महिला अफसर से अभद्रता

महिला कांग्रेस ने एसपी को सौंपा ज्ञापन, भाजपा नेता पर कार्रवाई की मांग की

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के चोरहटा थाने में 25 जुलाई को भाजपा नेता और समर्थकों ने थाने में घुसकर महिला पुलिस अधिकारी सीएसपी रितु उपाध्याय से अभद्र भाषा में बात की और उन्हें 'असंवेदनशील औरत' कहकर जलील किया। साथ ही, उनके साथ धक्का-मुक्की और हमले की कोशिश भी की गई। पूरी घटना का वीडियो सामने आने के बाद कांग्रेस हमलावर हो गई है।

घटना के बाद भाजपा नेता ने वीडियो जारी कर सफाई दी और अपने शब्दों को हल्का बताते हुए माफी मांग ली। मगर महिला कांग्रेस ने इसे सत्ता के घमंड से जुड़ा मामला बताते हुए निंदनीय कहा है। महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष कविता पांडेय ने कहा कि जिस तरह थाने में घुसकर ष्टस्क को जलील किया गया, वह शर्मनाक है। पुलिसकर्मी गिड़गिड़ाते नजर आए, मानो गुंडे थाने में घुस आए हों।

महिला कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन, की सख्त कार्रवाई की मांग: पूरे मामले को लेकर महिला कांग्रेस ने एडिशनल एसपी आरती सिंह को ज्ञापन सौंपा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि सत्ता के दुरुपयोग से भाजपा कार्यकर्ताओं ने कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखाया है। महिला अधिकारी को धकेलने का प्रयास महिलाओं का अपमान है, और इस पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

अगर सख्त कदम नहीं उठाए तो अपराधियों का मनोबल बढ़ेगा: कविता पांडेय ने कहा कि यदि ऐसे मामलों में सरकार ने तत्काल और कठोर कार्रवाई नहीं की, तो अपराधियों का मनोबल बढ़ेगा और कानून का डर खत्म हो जाएगा। यह जनहित में बेहद घातक होगा।

ज्ञापन सौंपने वालों में कई कांग्रेस नेत्रियां रहीं मौजूद: ज्ञापन सौंपने वालों में महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष सीमा सिंह, शहर अध्यक्ष तारा त्रिपाठी, पूर्व विधायक विद्यावती पटेल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बबीता साकेत, कांग्रेस कमेटी की महासचिव कविता पांडेय, अत्याचार निवारण प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रभा सोहगौरा, देवती साकेत, रचना सिंह और मधु केवट शामिल थीं।

रेलवे स्टेशन पर बाल दुर्व्यवहार अभियान के अंतर्गत समन्वय बैठक एवं कार्यशाला का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। 'बाल दूर व्यापार अभियान' के तहत रीवा रेलवे स्टेशन स्थित मीटिंग हॉल में बाल तस्करी, बाल श्रम एवं बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम को लेकर एक महत्वपूर्ण स्टेकहोल्डर समन्वय बैठक एवं कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश समीर मिश्रा, बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष मीनाक्षी मिश्रा, सदस्य विभा द्विवेदी, जिला विधिक अधिकारी अभय मिश्रा, महिला एवं बाल विकास विभाग की स्वाति श्रीवास्तव, बाल अधिकार संरक्षण अधिकारी तथा पुलिस विभाग की जेवी शाखा से मिथिलेश यादव ने भाग लिया।

कार्यक्रम का समन्वयन अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी के समन्वयक सुमित सिंह द्वारा किया गया। संस्था के प्रतिनिधि चक्रपाणि मिश्र व आरती पटेल भी उपस्थित रहीं। आयोजन में रेलवे स्टेशन प्रबंधक सत्येंद्र बघेल और विवेक झा का विशेष सहयोग रहा।

इस कार्यशाला में आरपीएफ व सीआरपीएफ की पुलिस इकाइयाँ भी शामिल रहीं। यह कार्यक्रम जस्ट राइट संस्था के सहयोग से ट्रैफिकिंग सप्ताह के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसके तहत जिले भर के रेलवे स्टेशनों एवं थानों पर जनजागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यशाला में संबंधित विषयों पर कानूनी व सामाजिक समाधान पर गंभीर चर्चा की गई।

श्रमिकों तथा आउटसोर्स कर्मचारियों को अंतर की राशि का भुगतान करें: कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सभी कार्यालय प्रमुखों को उनके कार्यालय में कार्यरत श्रमिकों तथा आउटसोर्स कर्मचारियों को न्यूयनतम वेतन की अंतर की राशि का भुगतान करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि श्रमायुक्त द्वारा न्यूनतम वेतन अधिनियम 1948 के तहत न्यूनतम वेतन का लाभ देने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। जिसके अनुसार राज्य शासन की अधिसूचना 4 मार्च 2024 के द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन और परिवर्तनशील मंहगाई भत्ते की राशि देय होगी। इसका लाभ केवल टेक्सटाइल एवं मेडअप वूवन निटेड और टेक्नीकल टेक्सटाइल फ्रेब्रिक निर्माण में संलग्न श्रमिकों पर प्रभावशील नहीं होगा। जारी निर्देश के अनुसार एक अक्टूबर 2024 तथा एक अप्रैल 2025 से प्रभावशील न्यूनतम वेतन दरों के मजदूरी एवं मंहगाई भत्ते की अंतर की राशि का भुगतान सुनिश्चित करें।

डायल 100 के चालकों ने खोला मोर्चा, कम वेतन और ट्रेनिंग के नाम पर वसूली से नाराज; आंदोलन की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में डायल-100 की एफआरव्ही सेवा से जुड़े पायलटों ने नई वेंडर कंपनी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। पायलटों ने पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया कि नई कंपनी ने ट्रेनिंग के नाम पर 10,000 की डीडी और फोन-पे से 10,000 अतिरिक्त की अवैध वसूली कर रही है।

प्रमुख पायलट संघ के संजय सिंह चंदेल ने बताया कि पहले पूरे प्रदेश में बीबीजी नाम की कंपनी डायल-100 का संचालन कर रही थी। कंपनी ने 12000 प्रतिमाह वेतन का वादा किया, लेकिन पायलटों को महज 7600 प्रतिमाह ही दिए गए। बेरोजगारी के चलते पायलटों ने कम वेतन में ही काम करना शुरू कर दिया।

नई कंपनी जीवीके ने ली वेंडरशिप: अब डायल-100 संचालन की वेंडरशिप जीवीके कंपनी को सौंप दी गई है। पायलटों का आरोप है कि नई कंपनी ने पुराने अनुभव प्राप्त चालकों से भी दोबारा ट्रेनिंग के नाम पर 10,000 की डीडी और 10,000 फोन पे से मांगना शुरू कर दिया है, जो पूरी तरह अनुचित और गैरकानूनी है।

मांगें नहीं मानी तो पूरे प्रदेश में रुक जाएगी सेवा: इस वसूली से परेशान होकर डायल-100 के पायलटों ने सामूहिक रूप से विरोध शुरू किया है। सभी पायलट पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। उनका कहना है कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो प्रदेश भर में डायल-100 की सेवाएं प्रभावित होंगी।

अवैध वसूली पर लगाम लगाने की अपील: पायलटों ने मांग की है कि नई कंपनी के खिलाफ जांच कराई जाए और अवैध वसूली पर तुरंत रोक लगाई जाए। साथ ही उन्हें बिना शर्त पुन: ड्यूटी पर लिया जाए और पूर्व निर्धारित वेतन का भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

राजस्व अधिकारियों ने जिले भर में किया खाद-बीज दुकानों का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में राजस्व अधिकारियों ने खाद, बीज और कीटनाशक बिक्री करने वाले दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण करके खाद बिक्री की जानकारी दी। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि राजस्व तथा कृषि विभाग के अधिकारियों ने खाद और बीज के नमूने लिए। एसडीएम मनगवां तथा रायपुर कर्चुलियान संजय जैन ने रायपुर कर्चुलियान में संतोष खाद-बीज भण्डार और कुशवाहा बीज भण्डार की जाँच की। रायपुर कर्चुलियान में ही जय खाद-बीज भण्डार के संचालक जय नारायण गुप्ता अधिकारियों के पहुंचने के पहले ही दुकान बंद करके मौके से फरार हो गए। एसडीएम ने मौके पर पंचनामा बनाकर कार्यवाही की। सिरमौर में एसडीएम पीके पाण्डेय तथा तहसीलदार ने मिथिलेश खाद भण्डार तथा तीन अन्य दुकानों का निरीक्षण किया। एसडीएम त्योंथर पीएस त्रिपाठी ने दो दुकानों तथा नायब तहसीलदार ने तीन दुकानों का निरीक्षण किया। तहसीलदार हुजूर शिवशंकर शुक्ला ने करहिया में राजा ट्रेडर्स तथा दो अन्य दुकानों की जाँच की। इनमें खाद की बिक्री तथा भण्डारण का सत्यापन किया गया। तहसीलदार विनयमूर्ति शर्मा ने किसान कृषि सेवा केन्द्र की जाँच के दौरान 11 बोरी संदिग्ध खाद जप्त की।

इस खाद के संबंध में दुकानदार द्वारा विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया। नायब तहसीलदार आँचल अग्रहरि ने तिवारी बीज-भण्डार मनगवां, मेसर्स आर्या ट्रेडर्स का निरीक्षण किया। पीओएस मशीन से मिलान करने पर निर्धारित मात्रा से अधिक मात्रा में खाद भण्डारित पाई गई। तहसीलदार अरूण यादव ने गुढ़ में श्रेया खाद-बीज भण्डार का निरीक्षण किया।

अमृत-2 योजना से शहर में बन रही 12 टंकियों से 15 हजार घरों को मिलेगा पानी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा नगर निगम में अधोसंरचनाओं का तेजी से विकास हो रहा है। शहर की जनसंख्या में भी तेजी से वृद्धि होने के कारण पेयजल, साफ-सफाई, सड़कों के विस्तार की आवश्यकता है। नगर निगम में अमृत-2 योजना के तहत पेयजल व्यवस्था के लिए कुल 18700 किलोलीटर क्षमता की 12 टंकियों का अलग-अलग स्थानों में निर्माण किया जा रहा है। इसके साथ-साथ 462 किलोमीटर की पाइपलाइन भी बिछाई जा रही है। फरवरी 2026 तक परियोजना का कार्य पूरा होने पर 15 हजार घरों को नल कनेक्शन देकर स्वच्छ और मीठे पानी की आपूर्ति की जाएगी। शहर के जिन क्षेत्रों में अभी पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है वहाँ भी पानी की कमी दूर होगी।

इस संबंध में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवड़े ने बताया कि अमृत-2 योजना के तहत 162 करोड़ रुपए के निर्माण कार्य मंजूर किए गए हैं। संबंधित निर्माण एजेंसी द्वारा तेजी से निर्माण किया जा रहा है। कुठुलिया में बीहर नदी के किनारे एक इंटेकवेल, रॉ वाटर राइजिंग तथा एक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का कार्य तेजी से चल रहा है। इस योजना के तहत 12 टंकियों का निर्माण किया जा रहा है, जिनमें से 4 का निर्माण कार्य पूरा हो गया है।

युवक ने गाय को ऑटो में बांधकर 4 किमी तक घसीटा

बाइक सवारों ने पीछाकर छुड़ाया शरीर पर गहरे जख्म, आंख की रोशनी गई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में एक युवक ने गाय को ऑटो से बांधकर 4 किमी तक घसीटा। इससे गाय गंभीर रूप से घायल हो गई। उसके शरीर पर गहरे जख्म हो गए। एक आंख की रोशनी भी चली गई। घटना बिछिया थाना क्षेत्र में शनिवार रात की है। बाइक सवार दो युवकों ने 2 किमी पीछाकर गाय को छुड़ाया। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है।

लोगों ने ऑटो को रोका, आरोपी नहीं रुका: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक ऑटो में गाय को बांधकर खींचता हुआ ले जा रहा था। तोपखाने के पास खड़े एक युवक ने जब यह देखा तो उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ऑटो की रफ्तार बढ़ाकर भागने लगा। इसके बाद बाइक सवार युवकों ने पीछा कर उसे पकड़ा। गाय को गंभीर हालत में गोशाला में भर्ती कराया है।

गाय को कसाईखाने ले जा रहा था आरोपी: प्रत्यक्षदर्शी मनोज यादव ने बताया कि आरोपी मुस्लिम युवक जानबूझकर यह कृत्य कर रहा था। उन्होंने बताया, हम उसे रोकने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वह तेजी से भागने लगा। वह गाय को कसाईखाने ले जा रहा था।

विश्व हिंदू परिषद बोली- सख्त कार्रवाई हो: विश्व हिंदू परिषद के बालकृष्ण द्विवेदी ने कहा, यह जेहादी मानसिकता का परिणाम है। धार्मिक माहौल को खराब करने की कोशिश की गई है। सड़कों पर गाय माता का खून बहाया गया है। यह माफ नहीं किया जाएगा। यदि प्रशासन सख्त कार्रवाई नहीं करता, तो हम खुद न्याय करेंगे।

पुलिस ने आरोपी पर किया मामला दर्ज: बिछिया थाना प्रभारी मनीषा उपाध्याय ने बताया, राधा मोहन उपाध्याय की शिकायत पर इकराम खान के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। यदि अन्य शिकायतें मिलती हैं, तो धाराएं और बढ़ाई जाएंगी।

मऊगंज का देवतालाब शिव मंदिर, जहां पूरी होती चारधाम यात्रा

श्रृंगेश्वरनाथ के रूप में पूजे जाते हैं भोलेनाथ; दो रंगों में दिखता शिवलिंग

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले से 60 किलोमीटर दूर स्थित देवतालाब शिव मंदिर आस्था का प्रतीक है। यह ऐतिहासिक और रहस्यमयी स्थल अध्यात्म से परिपूर्ण है। मान्यता है कि इस अद्भुत मंदिर का निर्माण देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा ने मात्र एक ही रात में किया था। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि चारधाम यात्रा तभी पूर्ण मानी जाती है जब देवतालाब के शिवलिंग पर जलाभिषेक किया जाए। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, त्रेता युग में श्रृंगी ऋषि की कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव यहां प्रकट हुए थे। उन्होंने यहां शिवलिंग की स्थापना की थी। बाद में महर्षि मार्कण्डेय ने भी यहां तपस्या की। इससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने मंदिर निर्माण का आदेश भगवान विश्वकर्मा को दिया। इसी कारण यह स्थान श्रृंगेश्वरनाथ और सोमनाथ के रूप में भी पूजित होता है।

आधा लाल और आधा सफेद होता शिवलिंग: मुख्य पुजारी दिनेश भारती के अनुसार, तेरस के दिन मंदिर का स्वरूप अपने आप बदल जाता है। शिवलिंग का रंग आधा लाल और आधा सफेद हो जाता है। यह आस्था का एक अलौकिक चमत्कार माना जाता है। मंदिर के नीचे एक प्राचीन तहखाना भी है। इसे नागों और चमत्कारी मणि की रक्षा का स्थल माना जाता है। वर्षों पहले यहां सांप निकलने की घटनाओं के बाद इसे बंद कर दिया गया।

मुंडन और कर्णछेदन भाग लेते हैं श्रद्धालु

श्रावण, अगहन और फाल्गुन के महीनों में यहां विशाल मेले का आयोजन होता है। विशेष रूप से सोमवार को श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ती है। हर-हर महादेव के जयघोष के साथ भक्त जलाभिषेक करते हैं। वे मुंडन, कर्णछेदन और कथा-प्रवचन में भी भाग लेते हैं। मंदिर परिसर तक पहुंचने पर पहले भव्य द्वार दिखता है। इसका निर्माण हाल ही में मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष व विधायक देवतालाब गिरीश गौतम ने कराया है। प्रवेश द्वार पर सुरक्षा के लिए पुलिस जवान तैनात हैं। मंदिर तक पहुंचने वाले मार्ग पर फूल, बेलपत्र, प्रसाद और पूजन सामग्री की दुकानें सजी होती हैं।

नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन आज तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय सिरमौर में शिक्षा सत्र 2026-27 में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 29 जुलाई निर्धारित है। इच्छुक विद्यार्थी किसी भी ऑनलाइन सेंटर अथवा मोबाइल के माध्यम से प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन कर सकता है। इस संबंध में विद्यालय के प्राचार्य मनीष तिवारी ने बताया कि विद्यार्थी को रीवा अथवा मऊगंज जिले के शासकीय विद्यालय अथवा मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालय में कक्षा 5 में अध्ययरत एवं रीवा अथवा मऊगंज जिले का निवासी होना चाहिए। जिन विद्यार्थियों ने कक्षा 3 और 4 की निरंतर पढ़ाई शासकीय अथवा मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालय से पूर्ण शिक्षण सत्र में उत्तीर्ण की हो तथा वर्तमान में कक्षा 5 में अध्ययनरत हो ऐसे विद्यार्थी 29 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

विकासखण्ड और ग्राम स्तर के कार्यालय नियमित संचालित करें: कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि विकासखण्ड स्तर और ग्राम स्तर के कार्यालय नियमित संचालित करें। इनमें पदस्थ अधिकारी और कर्मचारी समय पर कार्यालय में उपस्थित होकर शासन के निर्देशों के अनुरूप कार्यालय संचालित करें। सभी जिला स्तरीय अधिकारी विकासखण्ड तथा ग्राम स्तर पर संचालित उनके अधीनस्थ कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों के नाम तथा मोबाइल नम्बर निर्धारित कार्यालय के सूचना पटल पर अंकित कराएं। सीएफटी केन्द्र, ग्राम पंचायत, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, आंगनवाड़ी केन्द्र तथा अन्य कार्यालयों में भी पदस्थ कर्मचारियों के नाम उल्लेखित करें। एक सप्ताह में फोटो सहित इसका प्रतिवेदन कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत करें। मैदानी कर्मचारियों की जिला अथवा विकासखण्ड स्तर पर सप्ताह में केवल एक दिन ही बैठक आयोजित करें जिससे ग्राम स्तरीय कर्मचारी अपने मूल कार्यालय में उपस्थित रहकर विभागीय कार्य कर सकें। बैठक का निर्धारित दिन भी कार्यालय के सूचना पटल पर अनिवार्य रूप से अंकित करें। सभी अधिकारी और कर्मचारी निर्धारित मुख्यालय में रहकर विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

नवांकुर सखी कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम सरवना में कलश यात्रा निकाली गई

उज्जैन, (एजेंसी)। नवांकुर सखी-हरियाली यात्रा मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड खाचरोद सेक्टर उन्हेल की नवांकुर संस्था सरवना उन्हेल द्वारा आदर्श ग्राम सरवना में रविवार को नवांकुर सखियों द्वारा हरियाली कलश यात्रा निकाली गई जिसमें ढोल के धमाकों साथ महिलाएं भजन कीर्तन व नृत्य करते हुए हाथों में कलश एवं नवांकुर संस्था सरवना उन्हेल द्वारा वितरित पौधे को लेकर गांव में भ्रमण कर वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन का संदेश दिया।

अनिकेत शर्मा अनिकेत शर्माकलश यात्रा श्री अम्बे माता हनुमान मंदिर के श्री कुबरेश्वर महादेव का जलाभिषेक करके शुरू हुई तथा गांव के प्राचीन बड़केश्वर महादेव मंदिर पर जलाभिषेक कर श्री राम मंदिर होते हुए वापस श्री कुबरेश्वर महादेव पहुंची जहां पर कार्यक्रम में जन अभियान परिषद विकासखंड खाचरोद समन्वयक इंद्रेश पवार ने नवांकुर सखियों को सम्बोधित किया व सखियों को पौधे वितरण कर पौधों को संरक्षित कर बड़ा करने की शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि जन अभियान परिषद द्वारा संचालित यह नवांकुर सखी योजना प्रकृति व पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है व इस योजना से जहां पर्यावरण संरक्षण में जन जागरुकता व सहभागिता बढ़ेगी। नवांकुर संस्थाएं बीज रोपित थैलियां व पौधे तैयार कर महिला सखियों को वितरित कर उन महिलाओं द्वारा पौधों को संरक्षित कर उन्हें बड़ा पेड़ बनने तक उनकी सुरक्षा की जाएगी।इस अवसर पर मंचासीन अतिथि सरपंच कालुसिंह चंद्रवंशी वरिष्ठ समाज जन बाबुदास बैरागी मदनलाल राठौड़ नवांकुर संस्था सचिव कमलदास बैरागी, नवांकुर झांझाखेडी से भगवान सिंह डोडिया, लक्की शिक्षण संस्था नागदा के सुरेश माली द्वारा नवांकुर सखियों को बीज रोपित पौधे वितरित किए गये।

निर्माणाधीन सड़कों पर यातायात को सुगम रखते हुए करें कार्य

इन्दौर, (एजेंसी)। आयुक्त श्री शिवम वर्मा द्वारा आज शहर के जल जमाव क्षेत्र के साथ ही निर्माणाधीन सड़कों का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री श्री डी. आर. लोधी, क्षेत्रीय जोनल अधिकारी एवं अन्य उपस्थित थे। आयुक्त श्री वर्मा द्वारा वर्तमान में वर्षा काल को दृष्टिगत रखते हुए सर्वप्रथम झोन क्रमांक 19 के अंतर्गत स्कीम नंबर 140 में सड़क पर हुए जल जमाव क्षेत्र में जोनल अधिकारी को जल निकासी करने के स्थाई निराकरण करने के निर्देश दिए गए। इसके पश्चात

आयुक्त श्री वर्मा द्वारा जोन क्रमांक 22 के अंतर्गत बायपास सर्विस रोड एवं इस्कॉन मंदिर (एडवांस एकेडमी से निपानिया तक) रोड का भी निरीक्षण किया गया तथा जन्माष्टमी के पूर्व उक्त सड़क को मोटरेबल करने के संबंधित अधिकारी एवं ठेकेदार को निर्देशित किया कि उक्त मार्ग पर आवागमन सुगम हो सके, इसका ध्यान रखते हुए कार्य करने के निर्देश दिए गए।

नवांकुर सखी अभियान के अंतर्गत ग्राम सिलार खेड़ी में कलश यात्रा निकाली गई

उज्जैन, (एजेंसी)। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान ,जन अभियान परिषद के निर्देश पर प्रदेश को हरा भरा करने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए नवांकुर सखी अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जन जन तक इस संदेश को पहुंचाने तथा घर,आंगन में बी रोप आईटी थालिया का संरक्षण कर पौधरोपण बनाने के उद्देश्य की पूर्ति करना इस पवित्र को उद्देश्य हेतु कलश यात्राओं का आयोजन किया गया। सखियों को पौध वितरित किए गए। जो सखियों के देख रेख में विकसित किए जायेंगे। जन अभियान परिषद के तत्वावधान ग्राम विकास पशुपतिनाथ समिति ग्राम सिलार खेड़ी में रविवार को यात्रा का आयोजन किया गया।

हरसी में मिली अति कम वजन की बच्ची का कमलाराजा अस्पताल में इलाज जारी

ग्वालियर, (एजेंसी)। आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं को ग्राम हरसी में गृह भेंट के दौरान मिली अति कम वजन की बच्ची को चिकित्सक की सलाह पर बेहतर चिकित्सा के लिये एनआरसी भितरवार से कमलाराजा चिकित्सालय के एमएसटीयू में भर्ती कराया गया है। कलेक्टर रुचिका चौहान ने महिला बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले को जिले में चिन्हित कम वजन के सभी बच्चों को एनआरसी की सुविधायें दिलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जिले में संचालित सभी एनआरसी की क्षमताओं का पूरा उपयोग करें और कोई भी अति कम वजन का बच्चा एनआरसी की सेवाओं से वंचित नहीं रहना चाहिए। साथ ही कहा है कि एनआरसी से छुट्टी के बाद सभी बच्चों का लगातार फोलोअप भी सुनिश्चित करें।

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिस अति कम वजन की बच्ची को कमलाराजा अस्पताल में भर्ती कराया गया है, उसका जन्म सितम्बर 2023 में हरसी में हुआ था। जन्म के 15 दिन बाद उसकी माता सोमवती बच्ची के साथ अपने मायके श्योपुर जिले के ग्राम पर्वती बड़ौदा में रहने चली गई। माता सहित बालिका के गाँव से चले जाने के कारण आगे फोलोअप नहीं हो सका। वह कभी-कभार एक डू दो दिन के लिये हरसी आती-जाती रहती थी। मार्च 2025 में होली पर वह दो दिन के लिये हरसी आई थी। इसके बाद फिर अपने मायके चली गई।

गत 21 जुलाई को वह पुन: हरसी आईं थीं। इसी दौरान आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा गृह भेंट के दौरान 22 जुलाई को उसकी बेटी को अति कम वजन का पाए जाने पर 23 जुलाई को एनआरसी भितरवार में भर्ती करा दिया। डॉक्टर की सलाह पर बेहतर चिकित्सा के लिये इस बच्ची को 25 जुलाई को कमलाराजा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पीएचई विभाग ने मोहनपूरा में पेयजल गुणवत्ता एवं जलकर वसूली का दिया प्रशिक्षण

खरगोन, (एजेंसी)। जल जीवन मिशन अंतर्गत कलेक्टर भव्या मित्तल एवं मुख्य कार्यपालन जिला पंचायत जिला पंचायत आकाश सिंह के निर्देश एवं कार्यपालन यंत्री राहुल सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में भगवानपुरा विकासखंड के ग्राम मोहनपुरा में पेयजल गुणवत्ता एवं जलकर वसूली का प्रशिक्षण दिया गया।

पीएचई विभाग के मास्टर ट्रेनर विकास खंड समन्वयक श्री जितेंद्र जायसवाल ने समूह की महिलाओं एवं ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों को जल जीवन मिशन के महत्व को बताते हुए जल कर वसूली पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि नलजल योजना को निरंतर क्रियाशील रखने के लिए जलकर की वसूली अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही ग्रामीणों के सामने जलकर की पारदर्शिता बनी रहे इसके लिए रशीद एवं पंजीयक रजिस्टर में लेखा-जोखा करना अनिवार्य है।

जिला प्रशासन का प्रयास है कि नलजल योजना में जलकर की वसूली स्व सहायता समूह की महिलाओं के माध्यम से एकत्रित करके ग्राम जल एवं समिति के माध्यम से संचालित की जाए। ग्राम पंचायत में नलजल योजना के संधारण में लगने वाले स्पेयर पार्ट एवं आवश्यक सामान को पूर्व से खरीदकर संधारित करके रखने के लिए कहा गया। इसके उपरांत पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए जल परीक्षण कीट के माध्यम से जल नमूने की जांच कर प्रशिक्षण दिया गया।। अशुद्ध जल से होने वाली बीमारियों के बारे में बताया गया। इस अवसर पर ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के अध्यक्ष श्रवण कनासे, महिला स्व सहायता समूह के अध्यक्ष संगीता बाई, सरपंच सूरज रावत, सचिव तेजलसिंह राठौर, रोजगार सहायक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण आदि उपस्थित थे।

प्रमुख अभियंता ने किया बड़वाह सीवरेज परियोजना का निरीक्षण

खरगोन, (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत कार्यरत मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी द्वारा एशियन डेवलपमेंट बैंक के सहयोग से खरगोन जिले के बड़वाह नगर में सीवरेज परियोजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस परियोजना की प्रगति की समीक्षा एवं स्थल निरीक्षण के लिए कम्पनी के प्रमुख अभियंता आनंद सिंह ने बड़वाह का दौरा किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परियोजना के विभिन्न घटकों का भौतिक रूप से जायजा लिया और निर्माण की गुणवत्ता व समय-सीमा को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरानर सिंह ने एसटीपी परिसर में पौधरोपण भी किया।

कलेक्टर चौहान एवं नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय शहर की निचली बस्तियों में पहुँचे

ग्वालियर, (एजेंसी)। जिले में लगातार हो रही मानसूनी वर्षा से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की निचली बस्तियों में जल भराव से प्रभावित लोगों की मदद के लिये जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों सहित सम्पूर्ण राजस्व अमला अपने ङ्क अपने क्षेत्र में डटा है। कलेक्टर रुचिका चौहान ने रविवार को नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के साथ दीनदयाल नगर व भगतसिंह नगर सहित शहर की अन्य निचली बस्तियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने निचली बस्तियों में मशीनों एवं नगर निगम के अमले की मदद से सड़कों पर भरे पानी की निकासी भी कराई। साथ ही नाले व नालियों में पानी का फ्लो बढ़ाने के लिये नगर निगम द्वारा की जा रही अवरोध हटाने की कार्रवाई का जायजा भी लिया। कलेक्टर चौहान ने इस अवसर पर नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल भराव से संबंधित समस्याओं के निदान के लिये युद्ध स्तर पर कार्रवाई करें। कंट्रोल रूम में शिकायत मिलने पर तत्काल सहायता पहुँचनी चाहिए। इसमें ढिलाई

पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों को जवाबदेह मानकर कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने निचली बस्तियों में पानी की निकासी के लिये अच्छा काम कर रहे नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों को शाबाशी देकर प्रोत्साहित भी किया।

ग्वालियर नगर निगम के वार्ड क्र.-61 में स्थित हबीपुरा के कुछ घरों के चारों ओर से पानी से घिर जाने की सूचना मिलने पर कलेक्टर रुचिका चौहान ने एसडीएम झांसी रोड श्री अतुल सिंह के नेतृत्व में राजस्व, एसडीआरएफ एवं नगर निगम की संयुक्त टीम मौके पर भेजी। इस टीम ने एसडीआरएफ की मदद से जल भराव के बीच फँसे परिवारों को सुरक्षित निकलवाया। एसडीएम श्री अतुल सिंह ने बताया कि बाराघाटा औद्योगिक क्षेत्र के सामने स्थित हबीपुरा बस्ती में अलापुर डैम में पानी बढ़ने से जल भराव की स्थिति निर्मित हुई। इससे लगभग 15 परिवारों के 45 लोगों को एसडीआरएफ की नावों की मदद से सामान सहित सुरक्षित निकलवाया गया। ये सभी परिवार अपनी मर्जी से अपने रिश्तेदारों के यहाँ आश्रय लेने चले गए हैं। जिला प्रशासन व नगर निगम द्वारा एहतियात बतौर सरकारी भवनों को राहत शिविरों के लिये चिन्हित करके रखा गया है। यहाँ सभी आवश्यक व्यवस्थायें भी कर ली गईं हैं।

जिले के सभी एसडीएम एवं तहसीलदार निचली बस्तियों में पानी की निकासी कराने का काम करा रहे हैं। इस क्रम में एसडीएम डबरा श्री दिव्यांशु चौधरी व तहसीलदार श्री दिव्यदर्शन शर्मा ने डबरा शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र की निचली बस्तियों का जायजा लिया। उन्होंने ग्राम बरोठा में हो रहे अत्यधिक जल भराव की निकासी कराई। इसी तरह जिले के अन्य एसडीएम भी अपने-अपने क्षेत्रों में राजस्व अमले के साथ पहुँचे और पानी की निकासी की व्यवस्था कराई।

एसडीएम ग्वालियर ग्रामीण श्री सूर्यकांत त्रिपाठी ने बताया कि बीते रोज बैसली नदी में पैर फिसलने से गिर गए प्रीतम कुशवाह की लाश मिल गई है। जिला प्रशासन की टीम बीते रोज से ही एसडीआरएफ की मदद से प्रीतम को खोजने में जुटी थी। रविवार को सकतपुरा के समीप नदी में प्रीतम कुशवाह की डेड बॉडी टीम को मिली है, जिसे पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया है। एसडीएम भितरवार श्री संजीव जैन ने बताया कि भितरवार अनुविभाग के अंतर्गत सड़कों पर स्थित पुल-पुलियों व निचली बस्तियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

सांस्कृतिक गौरव की पुनर्स्थापना: अब मोहम्मदपुर ग्राम जाना जाएगा बजरंगपुर के नाम से

खरगोन , (एजेंसी)। जिले के अंतर्गत स्थित ग्राम मोहम्मदपुर का नाम अब बजरंगपुर कर दिया गया है। यह ऐतिहासिक एवं भावनात्मक निर्णय सांसद श्री गजेंद्र सिंह पटेल के निरंतर प्रयासों और ग्रामवासियों की सामूहिक भावना के अनुरूप लिया गया है। इस संबंध में सांसद श्री पटेल ने फोन पर जानकारी देते हुए कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि हमारी सनातन आस्था, सांस्कृतिक मूल्यों और जनभावनाओं के सम्मान की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। वर्षों से ग्रामवासी इस नाम परिवर्तन की मांग कर रहे थे, जो अब जाकर साकार हुई है। ग्रामवासियों की बाबा बजरंगबली के प्रति अटूट श्रद्धा और क्षेत्र की धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान को और अधिक सशक्त करने के उद्देश्य से यह नामकरण परिवर्तन किया गया है। यह निर्णय सांस्कृतिक पुनर्जागरण और परंपराओं के संरक्षण की दिशा में एक प्रेरक पहल के रूप में देखा जा रहा है। इस अवसर पर सांसद श्री पटेल ने सोशल मीडिया के माध्यम से समस्त ग्रामवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा एवं पुनर्स्थापना ही हमारा संकल्प है।

जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्यपूर्ण योजनाओं पर दिया प्रशिक्षण

खरगोन, (एजेंसी)। कलेक्टर भव्या मित्तल एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आकाश सिंह के निर्देशन एवं कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खंड खरगोन के मार्गदर्शन में जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्यपूर्ण योजनाओं पर विकासखंड कसरावद में विकास खंड समन्वयक सुभाष यादव एवं रविकांत चौहान केमिस्ट द्वारा निम्न बंदुओ पर 04 जुलाई से 23 जुलाई तक पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान जलकर वसूली, जलकर दर का आंकलन, जल परीक्षण कीट के माध्यम से पानी की जांच एवं उपचार, स्पेयर पार्ट, रशीद कट्टे, नोटिस बुक, जलकर पंजीयन रजिस्टर, इलेक्ट्रो फ्यूजन मशीन की आवश्यकता का आंकलन आदि का प्रशिक्षण दिया गया।

"विधिक साक्षरता से सशक्त बनता है समाज"

हरदा, (एजेंसी)। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष तृप्ति शर्मा के मार्गदर्शन में शनिवार को माध्यमिक शाला सन्यासा, शासकीय नवीन माध्यमिक शाला गोंदागांव कला, शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला छिपानेर में विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। शिविर में न्यायाधीश एवं सचिव श्री चंद्रशेखर राठौर ने बताया कि बाल अधिकार जागरूकता अभियान बच्चों के अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जागरूकता बढ़ाने, शिक्षा को बढ़ावा देने और बाल यौन शोषण बाल विवाह, बाल श्रम आदि के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए चलाया जा रहा है। उन्होने यह भी बताया कि नालसा ''डॉन स्कीम'' राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा द्वारा नशा उन्मूलन के लिये शुरू की गई एक पहल है। इसका उद्देश्य, विशेष रूप से युवा व किशोरों में नशीले पदार्थों के उपयोग के विरूध्द जागरूकता बढ़ाना और नशे के शिकार लोगों को कानूनी सहायता और कल्याणकारी सेवाएं प्रदान करना है। श्री राठौर ने शिविर में नालसा नशा पीड़ितो को विधिक सेवाऐं एवं नशा उन्मूलन के लिए विधिक सेवाऐं योजना के उपबंधों की जानकारी देते

हुए बताया कि योजना के तहत ड्रग्स तस्करी एवं ड्रग्स पीड़ितों को जिला प्राधिकरण के द्वारा आवश्यक विधिक सेवा उपलब्ध करायी जाती है। योजना के तहत ड्रग्स पीड़ितों को पहचानने, उनका उपचार करने तथा नशा मुक्ति के पश्चात उनके पुनर्वास में उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं को गतिमान कराया जाता है। साथ ही ड्रग्स के खतरों एवं इसके उन्मूलन के प्रभावी उपायों के विषय में संवेदनशील बनाया जाता है। जिला प्राधिकरण एवं राज्य की कई एजेन्सियों के साथ साथ गैर सरकारी संगठन भी नशीले पदार्थो की तस्करी और मादक पदार्थो के उन्मूलन के क्षेत्र में कार्यरत है। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी पॉक्सो रूल्स तथा प्रतिकर'' से संबंधित अन्य कानूनी प्रावधानों एवं मध्यप्रदेश अपराध पीड़ित प्रतिकर योजना, नालसा लैंगिक हमलों अन्य अपराधों की पीड़िताओं सर्वाईवर्स महिलाओं के लिए प्रतिकर योजना की जानकारी उपस्थितजनों को दी।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में हरियाली तीज पर 200 करोड़ का व्यापार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में कई दिन से तीज की बहार रही। रविवार को धूमधाम से तीज का पर्व मनाया गया, जहां रौनक के साथ मस्ती देखने को मिली। जानकारों के अनुसार तीज से बाजार में भी हरियाली लौटी। महिलाओं ने मेहंदी, साड़ी सूट, चूड़ियां, ज्वेलरी, सौंदर्य प्रसाधन व उपहार समेत अन्य सामानों की खरीदारी की। कारोबारी संगठन चैंबर आफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) के अनुसार, तीज को लेकर दिल्ली के बाजारों में 200 करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार हुआ। सीटीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस वर्ष दिल्ली में तीज महोत्सव की जबरदस्त धूम रही। पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष महोत्सव के आयोजनों की संख्या दोगुनी रही। दिल्लीभर में डेढ़ हजार से अधिक तीज कार्यक्रम आयोजित किए गए। दिल्ली सरकार ने भी 25 से 27 जुलाई तक दिल्ली हाट पीतमपुरा में विशाल तीज महोत्सव आयोजित किया है। एक तीज कार्यक्रम में औसतन 50 स्टाल लगे तो कुल 1,500 आयोजनों में 75 हजार स्टाल लगे होने का अनुमान है। इसी तरह, तीज महोत्सव कार्यक्रमों से पोशाक, फूल , झूले, खोमचे,आर्केस्ट्रा, संगीत, पटके, मेहंदी, साड़ी सूट, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, मैजिक शो, साउंड, टेंट, एंकर, डांस ग्रुप आदि क्षेत्रों को विशेष कारोबार मिला।

हीरो पैसनप्लस की 26,249 यूनिट्स की बिक्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। जून 2025 में हीरो पैसनप्लस बाइक की बिक्री ने जबरदस्त छलांग लगाते हुए 26,249 यूनिट्स का आंकड़ा छू लिया, जो कि जून 2024 में बिके 13,100 यूनिट्स के मुकाबले 100 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त है। पैसनप्लस का ड्रम ब्रेक ओबीडी2बी वैरिएंट 82,451 रुपये (एक्स-शोरूम) में उपलब्ध है, और दिल्ली में इसकी ऑन-रोड कीमत करीब 95,000 रुपये तक जाती है। इसमें 97.2 सीसी का सिंगल-सिलेंडर, एयर-कूल्ड ओबीडी2बी इंजन है, जो 7.91 बीएचपी की पावर और 8.05 एनएम का टॉर्क देता है। बाइक की टॉप स्पीड 85 किलोमीटर प्रति घंटा है और यह 70 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देने का दावा करती है। 11 लीटर के फ्यूल टैंक के साथ यह फुल टैंक में लगभग 750 किलोमीटर की दूरी तय कर सकती है। पैसनप्लस में आई3एस टेक्नोलॉजी, सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट, ट्रिप मीटर, ओडोमीटर और साइड स्टैंड इंजन कट-ऑफ जैसे रोजमर्रा के लिए उपयोगी फीचर्स दिए गए हैं। सुरक्षा के लिहाज से इसमें फ्रंट और रियर दोनों में 130 एमएम के ड्रम ब्रेक्स हैं, जो इंटीग्रेटेड ब्रेकिंग सिस्टम के साथ आते हैं और सुरक्षित राइड का भरोसा देते हैं। बाइक की बिक्री की इस ग्रोथ की सबसे बड़ी वजह इसका शानदार माइलेज, कम मेंटेनेंस लागत और आई3एस टेक्नोलॉजी जैसे फीचर्स हैं, जो इसे दैनिक इस्तेमाल के लिए एक आदर्श विकल्प बनाते हैं।

चिन्नास्वामी स्टेडियम को असुरक्षित बताने वाली रिपोर्ट से महिला विश्व कप पर संकट

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक सरकार द्वारा गठित न्यायमूर्ति जॉन माइकल डी'कुन्हा आयोग ने बेंगलुरु के प्रतिष्ठित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम को जनसमूह के लिए अनुपयुक्त और असुरक्षित घोषित कर दिया है। यह निष्कर्ष उस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे के बाद आया है, जिसमें आईपीएल विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जश्न के दौरान मची भगदड़ में 11 प्रशंसकों की जान चली गई और कई अन्य घायल हुए। इस घटना के बाद राज्य सरकार ने आयोग का गठन किया था, जिसकी रिपोर्ट अब राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष पेश की जा चुकी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्टेडियम का वर्तमान ढांचा बड़ी भीड़ के अनुकूल नहीं है, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा को गंभीर खतरा है। इस रिपोर्ट के प्रकाश में आने के बाद इस साल के अंत में होने वाले आईसीसी महिला विश्व कप के शुरुआती मुकाबले और फाइनल जैसे बड़े आयोजन खतरे में पड़ सकते हैं, क्योंकि ये मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम में ही निर्धारित हैं। इससे बीसीसीआई को वैकल्पिक स्थानों पर विचार करना पड़ सकता है। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने भी एहतियात के तौर पर अगले महीने होने वाले महाराजा ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट को दर्शकों के बिना कराने का फैसला लिया है। आयोग का कहना है कि बड़ी खेल प्रतियोगिताओं को ऐसे स्थानों पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए, जो बड़ी संख्या में दर्शकों को सुरक्षित रूप से समायोजित कर सकें। रिपोर्ट में सुधारात्मक सुझाव भी शामिल हैं, जैसे प्रवेश और निकास द्वारों का पुनर्गठन तथा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुरूप आपातकालीन निकासी योजनाओं की तैयारी।

आयोग ने चेताया है कि जब तक ये ढांचागत परिवर्तन नहीं होते, तब तक चिन्नास्वामी जैसे आयोजन स्थलों पर बड़े कार्यक्रमों का आयोजन सार्वजनिक सुरक्षा के लिए जोखिम बना रहेगा। इसके साथ ही आयोग ने केएससीए के शीर्ष पदाधिकारियों और आयोजन से जुड़े अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश की है। हालांकि, डीएनए एंटरटेनमेंट नेटवर्क्स ने इस आयोग और उसकी रिपोर्ट के निष्कर्षों को चुनौती देते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय का रुख किया है।

गर्लफ्रेंड की मौजूदगी में बेन डकेट ठोकते हैं ज्यादा रन

मैनचेस्टर (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर कई बार ऐसा होता है जब खिलाड़ी सिर्फ खेल नहीं, बल्कि निजी भावनाओं से भी जुड़ जाते हैं। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट इस वक्त कुछ इसी वजह से चर्चा में हैं। बेन का बल्ला तब और ज्यादा रन उगलता है जब उनकी गर्लफ्रेंड पैगी ओगबॉर्न स्टेडियम में मौजूद होती हैं। मैनचेस्टर में खेले गए हालिया टेस्ट मैच में जब पैगी स्टैंड्स में नजर आईं, तो डकेट ने भारत के खिलाफ 100 गेंदों में 94 रनों की विस्फोटक पारी खेली। यह पहला मौका नहीं था जब उनका प्रदर्शन पैगी की मौजूदगी में निखरा हो, इससे पहले लीड्स टेस्ट की चौथी पारी में भी जब पैगी वहां

थीं, डकेट ने शानदार शतक ठोका था और भारत को हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन जब ऐजबेस्टन और लॉर्ड्स में पैगी मौजूद नहीं थीं, तो डकेट का बल्ला खामोश रहा और वे दोनों टेस्ट में फ्लॉप रहे। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि पैगी मैदान में उनके लिए किसी लकी चार्म से कम नहीं हैं। इस सीरीज में अब तक डकेट ने 4 मैच की 7 पारियों में कुल 365 रन बना लिए हैं। बेन डकेट और पैगी की प्रेम कहानी की शुरुआत 2021 के अंत में हुई थी, जब दोनों पहली बार मिले और फिर धीरे-धीरे एक-दूसरे के करीब आ गए। दोनों ने शुरू में ही अपने रिश्ते को सोशल मीडिया और सार्वजनिक जगहों पर साझा करने में हिचक नहीं दिखाई। डकेट अब अक्सर यह मानते हैं कि पैगी की मौजूदगी उन्हें मानसिक सुकून देती है और उनका आत्मविश्वास बढ़ाती है। मैदान पर इस प्रेम का असर साफ तौर पर उनके बल्ले की चमक में नजर आता है, जो जब-जब पैगी स्टैंड्स में होती हैं, तब-तब गेंदबाजों की खूब धुनाई करता है।

दुनिया की 31 क्रिकेट लीग में भारतीयों की हिस्सेदारी, अमेरिका बना दूसरा सबसे बड़ा केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट अब सिर्फ टेस्ट खेलने वाले 12 देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह खेल 23 देशों तक फैल चुका है और इसकी सबसे बड़ी ताकत बनी हैं फ्रेंचाइजी लीग्स। इनमें भारत की भूमिका बेहद अहम है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 48 क्रिकेट लीग्स आयोजित होती हैं, जिनमें से 31 में किसी न किसी रूप में भारत का योगदान है। इनमें आईपीएल सबसे बड़ी और सबसे सफल लीग के रूप में जानी जाती है, जिसने विश्व क्रिकेट की आर्थिक संरचना को ही बदल दिया है। भारतीय क्रिकेटर्स भले ही विदेशी लीगों में खेलने से वंचित हों, लेकिन पूर्व खिलाड़ी, अभिनेता, ब्रॉडकास्टर, निवेशक और भारतीय मूल के क्रिकेटर दुनिया की कई लीग में सक्रिय हैं। भारत के बाद अमेरिका क्रिकेट लीग्स का दूसरा सबसे बड़ा हब बन गया है, जहां कुल 11 लीग्स खेली जाती हैं। भारत में 21 लीग्स और अमेरिका में 11 लीग्स होने का यह आंकड़ा इस बात की गवाही देता है कि भारत का क्रिकेट से जुड़ा निवेश वैश्विक हो चुका है। इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के को-फाउंडर सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर जैसे दिग्गज इसमें अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। अभिषेक बच्चन यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग में हिस्सेदार हैं, तो युवराज सिंह कनाडा, शिखर धवन नेपाल और सुरेश रैना कतर की लीग में खेल चुके हैं। इस तरह भारतीयों की मौजूदगी मैदान के भीतर और बाहर दोनों जगह दिखती है। आईसीसी द्वारा मान्यता प्राप्त केवल 12 टेस्ट नेशन हैं, लेकिन क्रिकेट का

व्यावसायिक स्वरूप 23 देशों तक पहुंच चुका है, जिसमें स्पेन, मलेशिया, हॉन्गकॉन्ग, कतर जैसे नाम शामिल हैं। भारत में भी आईपीएल के बाद से 15 राज्य स्तरीय टी20 लीग्स की शुरुआत हुई है, जिससे घरेलू प्रतिभाओं को मंच और दर्शकों को रोमांच मिल रहा है। इन लीग्स की सफलता और भारत की हिस्सेदारी यह साबित करती है कि भारत अब क्रिकेट का सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि ग्लोबल इनोवेशन हब बन चुका है।

क्रिकेट से दूर रहकर भी करोड़ों की कमाई कर रहे हैं चहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया से लगभग दो साल से बाहर चल रहे अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह क्रिकेट नहीं, बल्कि उनकी निजी जिंदगी है। हाल ही में चहल इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलते नजर आए और उसके बाद वह अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड आरजे महवश के साथ लंदन की सड़कों पर घूमते दिखाई दिए। दोनों की एकसाथ कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिससे उनके रिश्ते की चर्चाएं और तेज हो गई हैं। क्रिकेट से दूर रहने के बावजूद चहल की कमाई में कोई कमी नहीं आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 35 वर्षीय चहल की कुल संपत्ति करीब 45 करोड़ रुपये है। वह बीसीसीआई के सालाना अनुबंध में ग्रेड सी के तहत थे, जिससे उन्हें एक करोड़ रुपये तक की सैलरी मिलती थी, हालांकि अब वह उस कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा नहीं हैं। फिर भी, विज्ञापन और निजी निवेशों के जरिए चहल हर महीने लाखों की कमाई कर रहे हैं। वह इनकम टैक्स विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर भी कार्यरत हैं, जहां उनकी सैलरी करीब 44,900 से 1,42,400 रुपये मासिक मानी जाती है। चहल का गुरुग्राम में एक आलीशान घर भी है जिसकी कीमत लगभग 25 करोड़ रुपये है। इसके अलावा उन्होंने हाई टाइम्स सॉल्यूशंस की चेकमेट सर्विस, ग्रिप फिटनेस ऐप और यूजो फैशन ब्रांड में भी निवेश कर रखा है। चहल ने 13 अगस्त 2023 को आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला था।

दूसरे छोर से सहयोग मिलने पर और खतरनाक हो जाते हैं बुमराह: जोनाथन ट्रॉट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर और मौजूदा कमेंटेटर जोनाथन ट्रॉट ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर अहम टिप्पणी की है। उनका मानना है कि बुमराह जब गेंदबाजी के दूसरे छोर से अच्छा समर्थन पाते हैं, तो बुमराह कहीं ज्यादा असरदार साबित होते हैं। मौजूदा पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 1-2 से पिछड़ रही है और चौथे टेस्ट के तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड पर 186 रनों की बढ़त हासिल कर चुका है। इस मैच में बुमराह अब तक कुछ खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं, हालांकि ट्रॉट का कहना है कि उन्होंने सधी हुई गेंदबाजी की है, लेकिन किस्मत ने

उनका साथ नहीं दिया। ट्रॉट ने कहा कि बुमराह की इकॉनमी दर इस बात का संकेत है कि उन्होंने अनुशासित गेंदबाजी की, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से पर्याप्त दबाव का सहयोग नहीं मिला। जब गेंदबाजी इकाई पूरी ताकत से नहीं खेल रही होती, तो दोनों सिरों से एक साथ दबाव बनाना जरूरी हो जाता है, जिससे बल्लेबाजों पर असर पड़ता है। ट्रॉट ने यह भी जोड़ा कि जब गेंदबाज अकेले दम पर जिम्मेदारी उठाते हैं, तो सफलता मिलना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने भारतीय टीम के गेंदबाजी संयोजन पर भी सवाल उठाए और कहा कि अंशुल कंबोज टेस्ट क्रिकेट की कसौटी पर खरे नहीं उतर पाए। तेज गेंदबाजों ने लगभग 82 ओवर में केवल तीन विकेट चटकाए, जबकि स्पिनरों ने 52 ओवर में चार विकेट लिए। ऐसे में भारत को अपनी गेंदबाजी रणनीति पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की जरूरत है।

बुमराह के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने अब तक इस दौरे पर दो टेस्ट खेले हैं और दोनों में भारत को हार का सामना करना पड़ा है। मौजूदा मैच संभवत: उनका इस सीरीज में आखिरी मुकाबला हो सकता है, और अब तक की स्थिति देखकर ऐसा नहीं लगता कि टीम को उनसे उस प्रभाव की उम्मीद पूरी तरह मिल पाई है, जो आमतौर पर उनसे जुड़ी रहती है।

कुलदीप को बल्लेबाजी संतुलन की भेंट चढ़ा रहे चयनकर्ता - मोर्कल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान जब इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजी की धज्जियां उड़ाईं, तब हर किसी को स्पिनर कुलदीप यादव की कमी खली। सीरीज में अब तक एक भी मैच न खेलने वाले कुलदीप की चर्चा हर मुकाबले से पहले होती है, लेकिन टीम चयन में उन्हें लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में तीन मैचों के बाद भारत 2-1 से पीछे है और चौथे टेस्ट में इंग्लैंड ने पहली पारी में 544 रन ठोक डाले, जिससे कुलदीप की गैरमौजूदगी पर सवाल और भी तेज हो गए। तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने कुलदीप को न खिलाने की असल वजह स्पष्ट की। मोर्कल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि टीम प्रबंधन गेंदबाजी से ज्यादा बल्लेबाजी लाइन-अप को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है। उनका कहना था कि टीम ने

पिछले मैचों में कई बार बल्लेबाजी में जल्दी विकेट गंवाए हैं, इसलिए संतुलन बनाए रखने के लिए लंबे बल्लेबाजी क्रम की जरूरत महसूस की गई। उन्होंने माना कि कुलदीप विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं और शानदार फॉर्म में हैं, लेकिन फिलहाल टीम संयोजन में उन्हें फिट कर पाना मुश्किल हो रहा है। गेंदबाजों के चोटिल होने के बावजूद भी कुलदीप को मौका न मिलने से यह और स्पष्ट होता है कि चयन की प्राथमिकता बल्लेबाजी गहराई है न कि गेंदबाजी गुणवत्ता। मैनचेस्टर की परिस्थितियों में जहां स्पिन को मदद मिल रही थी, कुलदीप जैसे कलाई के स्पिनर उपयोगी साबित हो सकते थे। इसके बावजूद शार्दुल ठाकुर को चुना गया, जिन्हें पूरे 135 ओवर में सिर्फ 11 ओवर ही दिए गए। साथ ही अंशुल कंबोज को डेब्यू कराना यह दिखाता है कि चयनकर्ताओं की रणनीति में कुलदीप के लिए जगह बनाना प्राथमिकता नहीं रही। मोर्कल ने स्वीकार किया कि विकेट सूखा है और स्पिन हो रही है, लेकिन उनका मानना है कि जब तक शीर्ष छह बल्लेबाजों से स्थिरता नहीं मिलती, तब तक कुलदीप जैसे विशेषज्ञ गेंदबाज को मौका देना मुश्किल रहेगा। कुलदीप की उपेक्षा ने टीम चयन की रणनीति को कठघरे में खड़ा कर दिया है, खासकर तब जब गेंदबाजों से उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं मिल रहा।

मोईन अली ने बताया शुभमन गिल को भविष्य का मजबूत कप्तान

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोईन अली का मानना है कि भारत के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल भविष्य में एक बहुत ही शानदार कप्तान के रूप में उभर सकते हैं। मोईन के मुताबिक गिल ने न सिर्फ बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन किया, बल्कि मैदान पर अपने आक्रामक रवैये और नेतृत्व कौशल से यह साबित भी कर दिया है कि उनमें नेतृत्व की पूरी क्षमता है। इंग्लैंड दौरे के दौरान गिल ने लगातार शानदार पारियां खेलीं, जिससे न सिर्फ भारत को मजबूती मिली बल्कि उन्होंने खुद को भी एक मैच विनर के तौर पर स्थापित किया। मोईन अली ने कहा कि गिल बल्ले से आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व कर रहे हैं और एक भारतीय कप्तान के लिए यह बहुत जरूरी गुण है। गिल ने इस सीरीज में कई बार इंग्लैंड के गेंदबाजों को

मुश्किल में डाला, खासकर लीड्स और बर्मिंघम में। उन्होंने दो टेस्ट में तीन शतक लगाए, जिनमें एक 269 रनों की पारी भी शामिल रही, जो उनके करियर की अब तक की सर्वश्रेष्ठ पारी थी। इन दो मैचों में उन्होंने कुल 458 रन बनाए, जो उनके आत्मविश्वास और निरंतरता को दर्शाता है। तीसरे टेस्ट में जब मुकाबला थोड़ा तनावपूर्ण हुआ, तो गिल उस माहौल के केंद्र में नजर आए। इंग्लैंड और भारत के खिलाड़ियों के बीच तीखी जुबानी जंग हुई, जिसमें गिल ने आक्रामक अंदाज में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मोईन अली के मुताबिक इस तरह का मुकाबला लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट में देखने को नहीं मिला था। उन्होंने कहा कि यह सीरीज मनोरंजक, आक्रामक और सम्मानजनक खेल का बेहतरीन उदाहरण रही है।

सोने के भाव 97,900, चांदी की कीमत 1 लाख के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत में तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव सोमवार को तेजी के साथ खुले। घरेलू बाजार में सोने के भाव 97,900 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,13,150 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार सोने के शुरुआती कारोबार में नरमी, जबकि चांदी में तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 33 रुपये की तेजी के साथ 97,852 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 97,819 रुपये था। इस समय यह 81 रुपये की तेजी के साथ 97,900 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 113 रुपये की तेजी के साथ 1,13,165 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,13,052 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह 87 रुपये की तेजी के साथ 1,13,139 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। लेकिन चांदी के भाव बाद में सुधर गए। कॉमेक्स पर सोना 3,321.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,335.60 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 2.30 डॉलर की गिरावट के साथ 3,333.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 38.28 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 38.36 डॉलर था। इस समय यह 0.05 डॉलर की तेजी के साथ 38.41 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

शेयर बाजार मे रही गिरावट

सेंसेक्स 220 अंक टूटा; निफ्टी 24800 के नीचे फिसला

मुंबई (एजेंसी)। एशियाई बाजारों से मिलेजुले संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार सप्ताह के पहले ट्रेडिंग सेशन सोमवार को गिरावट के साथ खुले। अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता को लेकर अनिश्चितता और कोटक महिंद्रा बैंक के उम्मीद से कमज़ोर नतीजों ने निवेशकों के सेंटिमेंटिस पर नेगेटिव असर डाला। आईटी स्टॉक्स में बिकवाली ने बाजार को नीचे खींचा। टीसीएस के 12 हजार कर्मचारियों को कंपनी से निकालने की योजना का असर शेयर पर भी दिखा। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 150 से ज्यादा अंक की गिरावट लेकर 81,299 पर खुला। खुलते ही इसमें गिरावट देखने को मिली। फिलहाल यह 267.93 अंक की गिरावट लेकर 81,195.16 पर था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी गिरावट के साथ 24,782 पर खुला। फिलहाल यह 58.85 अंक की गिरावट लेकर 24,778 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों में सोमवार को मिला-जुला कारोबार देखने को

मिला। निवेशक आज स्टॉकहोम में शुरू होने वाली अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता पर और स्पष्टता का इंतज़ार कर रहे थे। जापान का निक्केई 0.43 प्रतिशत नीचे था। जबकि टॉपिक्स इंडेक्स 0.19 प्रतिशत गिरा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.31 प्रतिशत गिरा और एएसएक्स 200 0.4 प्रतिशत चढ़ा। टैरिफ तनाव कम होने से उत्साहित होकर, अमेरिकी इक्विटी फ्यूचर्स शुरुआती घंटों में बढ़त के साथ बंद हुआ। एसएंडपी 500 फ्यूचर्स 0.39 प्रतिशत, नैस्डैक 100 फ्यूचर्स 0.53 प्रतिशत और डाउ जोंस फ्यूचर्स 156 अंक बढ़ा। इससे पहले शुक्रवार को अमेरिका के तीनों प्रमुख इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए और वीकली बढ़त दर्ज की गई। एसएंडपी 500 0.40 प्रतिशत बढ़कर 6,388.64 पर, नैस्डैक कंपोजिट 0.24 प्रतिशत बढ़कर 21,108.32 पर और डॉव 208.01 अंक बढ़कर 44,901.92 पर बंद हुआ।

रुपया नौ पैसे की बढ़त के साथ 86.43 डॉलर पर

मुंबई (एजेंसी)। रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में नौ पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.43 पर पहुंच गया। अमेरिका-भारत शुल्क वार्ता के केंद्र में बने रहने के कारण स्थानीय मुद्रा में तेजी हालांकि सीमित रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपया सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है, क्योंकि आयातकों की ओर से डॉलर की मांग जारी रहने से अमेरिकी डॉलर, रुपये के मुकाबले मजबूत बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया सकारात्मक रुख के साथ खुला और शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 86.43 के स्तर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की बढ़त दर्शाता है।

स्वास्थ्य मंत्री ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बंजारीडाड़ का किया आकस्मिक निरीक्षण

अस्पताल में भर्ती मरीजों से की बातचीत, सुविधाओं का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज मनेंद्रगढ़ जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बंजारीडाड़ का आकस्मिक निरीक्षण कर मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं की उपलब्धता, साफ-सफाई, डॉक्टरों की उपस्थिति और उपचार की गुणवत्ता की समीक्षा की। उन्होंने अस्पताल परिसर की संपूर्ण स्थिति का अवलोकन करते हुए व्यवस्थाओं में और सुधार लाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने मरीजों और उनके परिजनों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को समझा और चिकित्सक तथा मेडिकल स्टाफ को त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली, साथ ही उपचार और मिलने वाली सुविधाओं की स्थिति के बारे में विस्तार से पूछा। मरीजों के परिजनों से बातचीत के दौरान उन्होंने जन

सुविधा और देखभाल के संबंध में सुझाव भी प्राप्त किए। मंत्री जायसवाल ने उपस्थित डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारियों से भी बातचीत की और निर्देशित किया कि मरीजों की देखभाल में और अधिक संवेदनशीलता और मानवीयता बरती जाए। उन्होंने अस्पताल के विभिन्न कक्षों, प्रसव कक्ष, दवा वितरण केंद्र, शौचालय, पेयजल व्यवस्था और रसोई कक्ष की स्थिति का निरीक्षण कर स्वच्छता और नियमित मरम्मत पर विशेष ध्यान देने को कहा। स्वास्थ्य मंत्री ने निरीक्षण के दौरान अस्पताल भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के मरम्मत कार्य को शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए ताकि मरीजों और स्टाफ को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि मरम्मत के लिए बजट और संसाधनों की व्यवस्था प्राथमिकता पर की जाएगी और कार्यों की निगरानी नियमित रूप से की जाएगी। मंत्री जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार सभी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण और समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है और ग्रामीण अंचलों तक सुदृढ़ चिकित्सा ढांचा विकसित किया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मरीजों को समय पर उचित उपचार, दवा वितरण और आवश्यक परीक्षण की सुविधाएं सुनिश्चित कराई जाए, ताकि कोई भी मरीज उपेक्षित महसूस न करें।

वाटरफॉल में भी हादसे का इंतजार, 30 फीट ऊपर पहाड़ों पर चढ़ रहे युवक, सुरक्षा के इंतजाम नहीं

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ (निप्र)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में परसदा रोड पर वाटरफॉल है। जिसमें बारिश के समय लोगों की काफी भीड़ होती है, लेकिन यहां सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं है। ऐसे में बलौदाबाजार जिले की तरह यहां भी कोई घटना घटित न हो जाए। शहर से करीब 12 किमी की दूरी पर परसदा गांव हैं और ठीक उसके सामने पहाड़ों पर वाटरफॉल है। जिसकी खूबसूरती बारिश के दिनों में बढ़ जाती है। बारिश का पानी तेज बहाव के साथ इस वाटरफॉल में 30-40 फीट ऊपर से गिरता है।

इसे देखकर शहर समेत आसपास के ग्रामीण क्षेत्र से लोग यहां नहाने और फोटो खिंचाने पहुंचते हैं। रविवार को परसदा वाटरफॉल में काफी लोगों की भीड़ थी। ऐसे में यहां का एक वीडियो भी सामने आया है। जिसमें कई युवक पहाड़ों पर चढ़े हुए और ओर चढ़ते नजर आ रहे हैं। साथ ही कुछ युवक पास के पेड़ पर ऊपर चढ़कर कूदने की तैयारी में हैं। वहीं नीचे कई लोग पानी में नहा रहे हैं। ऐसे में अगर पहाड़ों से पैर फिसलता है या उंचाई से कूदते हैं, तो किसी बड़ी घटना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

नहीं है कोई इंतजाम: गोविंद डे का कहना है कि परसदा वाटरफॉल में बारिश के शुरू होते ही इस तरह की स्थिति निर्मित हो जाती है। महिलाएं और बच्चे भी यहां पहुंचते हैं। कई लोग झरना के पास से ऊपर चढ़ते हैं और इससे कभी भी कोई घटना घटित हो सकती है। यही नहीं शराबियों का भी जमावड़ा यहां लगा होता है। यहां सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं है।

ट्रक मालिक संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल

कोल ट्रांसपोर्ट के किराए में बढ़ोतरी की मांग, इंडस्ट्रियल इलाकों में कोयला सप्लाई बंद

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (निप्र)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में ट्रक-ट्रेलर मालिक सेवा समिति ने कोल ट्रांसपोर्ट के किराए में बढ़ोतरी की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है। सोमवार को समिति ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर स्वश्टरु खदानों से स्थानीय उद्योगों तक कोयला परिवहन में किराए दर की समस्या से अवगत कराया है। समिति का कहना है कि वर्तमान किराए दर से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। साल 2023 से स्थानीय उद्योगों की ओर से कोयला परिवहन के लिए किराए दरों में कटौती की गई है। इसके विपरीत वाहन संचालन से संबंधित सामान जैसे पार्ट्स, टायर और डीजल की कीमतों में 15 से 25 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है।

इन खदानों में आंदोलन: ट्रक-ट्रेलर मालिक सेवा समिति के अध्यक्ष जितेंद्र दास ने बताया कि इस आंदोलन में 1000 से अधिक ट्रक मालिक शामिल हैं। वे अपने वाहन खड़े कर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यह आंदोलन कोरबा जिले के गेवरा, दीपका, कुसमुंडा और मानिकपुर खदानों में चल रहा है। इससे औद्योगिक संयंत्रों में कोयला सप्लाई प्रभावित हो रही है।

डीजल के दाम बढ़े, लेकिन किराए दर कम: ट्रक मालिकों का कहना है कि लगातार डीजल के दाम बढ़ रहे हैं। ट्रक ड्राइवरों का वेतन भी काफी बढ़ गया है। इन सभी कारणों से उनकी लागत बढ़ गई है, जबकि किराए दरें कम हो गई हैं। ट्रक मालिक संघ ने कोल लिफ्टर के समक्ष अपनी मांगें रखी हैं, लेकिन अब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हुई हैं।

बगैर नंबर-प्लेट वाली बाइक चलाने पर होगी एफआईआर

सीसीटीवी से बचने हटा रहे, फर्जी नंबर लगाने पर सख्ती; 17 गाड़ियों का कटा चालान

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। दोपहिया वाहन चालक चालानी कार्रवाई से बचने के लिए नए-नए हथकंडे अपना रहे है। कोई अपनी बाइक से नंबर प्लेट ही हटा दे रहा है, तो कोई फर्जी नंबर का इस्तेमाल कर रहा है। लेकिन पुलिस ने स्पष्ट कर दिया है कि नंबर प्लेट नहीं होने या फर्जी नंबर होने पर सीधे एफआईआर दर्ज होगी। 27 जुलाई की शाम रिवर व्यू क्षेत्र में पुलिस ने विशेष चेकिंग अभियान चलाकर 5 बिना नंबर प्लेट की बाइकों को जब्त किया। इन वाहन चालकों के पास कोई वैध दस्तावेज भी नहीं थे। इसके अलावा 17 अन्य वाहनों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई की गई।

बिना नंबर प्लेट के वाहन, आपराधिक गतिविधियों का जरिया: दरअसल, ट्रैफिक नियम तोड़ने

पर सीसीटीवी कैमरों पर निगरानी कर कार्रवाई की जा रही है, जिससे बचने के लिए नंबर प्लेट निकालकर लोग गाड़ी चला रहे थे। जब्त 5 दोपहिया वाहनों में सभी बिना नंबर प्लेट के संदिग्ध परिस्थिति में पाए गए। इन पर कोई पहचान चिन्ह भी अंकित नहीं था, जिससे इनके आपराधिक गतिविधियों में उपयोग की आशंका जताई गई है। पुलिस ने इन वाहनों के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर जांच कर रही है। वहीं जिन 17 अन्य गाड़ियों पर चालान काटा गया, उनमें अधिकांश में नंबर प्लेट या तो गलत ढंग से लगाई गई थी या जानबूझकर आड़े-तिरछे ढंग से फिट की गई थी ताकि उनकी पहचान कैमरों में न हो सके।

चालानी कार्रवाई से बचने अजमा रहे नए-नए हथकंडे: सीएसपी निमितेश सिंह का कहना है कि शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, रिंग रोड और अन्य मार्गों पर लगे कैमरों से बचने के लिए असामाजिक तत्वों के साथ-साथ अब सामान्य घरों के लोग भी बिना नंबर प्लेट या फर्जी नंबर प्लेट वाले वाहन दौड़ा रहे हैं। इनका उद्देश्य चालान से बचना और ट्रैफिक नियमों को धता बताना है। लेकिन, पुलिस ने ऐसे लोगों पर नकेल कसने के लिए लगातार चेकिंग अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

फर्जी नंबर प्लेट वालों पर अब सीधे एफआईआर: एसएसपी रजनेश सिंह ने सभी वाहन चालकों को निर्देश दिया है कि वे मोटर व्हीकल नियमों के अनुसार अपने वाहनों में मानक, स्पष्ट और वैध नंबर प्लेट लगाएं। यदि कोई व्यक्ति चालान से बचने के उद्देश्य से नंबर प्लेट हटाता है, उसमें छेड़छाड़ करता है या फर्जी नंबर का उपयोग करता है, तो उनके खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि यह अभियान सतत रूप से जारी रहेगा। बिना नंबर प्लेट या फर्जी नंबर के वाहन चलाने वालों पर जीरो टालरेंस नीति अपनाई जाएगी।

जांजगीर चांपा-बलौदाबाजार को जोड़ने वाली सड़क जर्जर, आवागमन में हो रही दिक्कतें

मीडिया ऑडीटर, बलौदाबाजार (निप्र)। छत्तीसगढ़ में जांजगीर-चांपा और बलौदाबाजार जिले को जोड़ने वाली मुख्य सड़क की हालत खराब हो चुकी है। गिधौरी और शिवरीनारायण को जोड़ने वाला यह सड़क अब राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। सड़क पर बने गड्ढे अब छोटे तालाब का रूप ले चुके हैं। बारिश के बाद इन गड्ढों में भरा पानी पूरे सड़क को दलदल में बदल रहा है। वाहन चालकों को इस रास्ते से गुजरने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इस मार्ग पर स्थित सबरी सेतु पुल की स्थिति और भी चिंताजनक है। पुल लगभग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है।

शिकायत के बाद समस्या का समाधान नहीं: स्थानीय निवासियों ने कई बार प्रशासन से इस समस्या के समाधान की मांग की है। लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इस सड़क का इस्तेमाल न केवल आम नागरिक करते हैं, बल्कि स्कूली बच्चे, एम्बुलेंस और अन्य आवश्यक सेवाओं के वाहन भी इसी मार्ग से गुजरते हैं।

लोगों को आवागमन में हो रही दिक्कतें: सड़क की खराब स्थिति से इन सभी को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

3 दिन नहीं बनेंगे जाति-आय प्रमाणपत्र, खसरा-खतौनी से लेकर सीमांकन तक सब बंद

राजस्व अधिकारी 30 जुलाई तक करेंगे धरना प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में 3 दिन तक तहसील से जुड़े कामकाज बंद रहेंगे क्योंकि प्रदेश भर के राजस्व अफसर अपनी 17 सूत्रीय मांगों को लेकर आज से धरने पर बैठ रहे हैं। 28 जुलाई से 30 जुलाई तक प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों के तहसीलदार और नायब तहसीलदारों ने अपना काम छोड़कर हड़ताल पर जाने का ऐलान किया है। दफ्तर में संसाधनों की कमी, पदोन्नति, ऑफिस की मरम्मत, गाड़ी की सुविधा जैसे 17 मांगे हैं जिसे

लेकर छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ के बैनर तले विरोध जताया जाएगा। आज पहले दिन जिला मुख्यालय में प्रदर्शन होगा। दूसरे दिन संभागीय मुख्यालयों में और तीसरे दिन रायपुर में प्रदेश स्तरीय धरना होगा।

जानिए आंदोलन का क्या होगा असर: तहसीलदार और नायब तहसीलदारों के आंदोलन पर जाने से तहसील कार्यालयों में आम लोगों से जुड़ी कई सेवाएं प्रभावित होंगी। जैसे जमीन संबंधी काम के साथ ही नामांतरण, बंटवारा, खसरा-खतौनी की प्रतिलिपि, जाति-आय और निवास प्रमाण पत्र के साथ ही सीमांकन और न्यायालयीन कार्य नहीं होंगे।

ठोस पहल नहीं होने पर हड़ताल: संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि उनके द्वारा शासन से लंबे समय से अपनी समस्याओं को दूर करने की मांग की जा रही है। संघ की ओर से पहले भी शासन-प्रशासन को बार-बार इन मांगों से अवगत कराया गया है।

हसदेव नदी से जल लेकर निकले कावड़ यात्री, बीच में आए नशेड़ियों को पुलिस ने पकड़ा

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (निप्र)। श्रावण मास के तीसरे सोमवार पर बड़ी संख्या में शिव भक्त कावड़ लेकर कनकी धाम पहुंचे। शिव भक्तों ने सर्वमंगला मैया के सामने से प्रवाहित होने वाली कोरबा की जीवनदायनी नदी हसदेव से स्नान कर जल उठाया। उन्होंने नहर के किनारे-किनारे पदयात्रा करते हुए कनकी की ओर प्रस्थान किया। सर्वमंगला मंदिर में प्रवेश कर भक्तों ने जल के साथ माता रानी का पूजन अर्चन भी किया। हालांकि, कावड़ यात्रा के दौरान कुछ नशेड़ियों की उपस्थिति से धार्मिक वातावरण प्रभावित हुआ। बाद में पुलिस ने मोर्चा संभाला।

कावड़ यात्रा के दौरान कुछ नशेड़ियों की उपस्थिति: हालांकि, कावड़ यात्रा के दौरान कुछ नशेड़ी आकर अनुचित हरकत करने लगे थे। जिसके बाद थाने में सूचना दी गई।

लाखों का पैकेज छोड़ इंजीनियर ने चुनी खेती, 50 लोगों को दे रहे रोजगार

मीडिया ऑडीटर, बस्तर (निप्र)। जिले को अब भी नक्सल प्रभावित इलाके के रूप में पहचाना जाता है। यहां के युवा इंजीनियरिंग, एमबीए जैसी डिग्रियां लेने के बाद बड़ी कंपनियों में रोजगार के लिए पलायन कर रहे थे लेकिन अब कई युवा मल्टीनेशनल कंपनियों के पैकेज छोड़कर बस्तर लौट रहे हैं। यहां खेती-किसानी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रहे हैं। जगदलपुर निवासी 28 साल के विवेक भारत ऐसे ही युवा हैं, जो इंजीनियर के बजाय अब किसान के रूप में अपनी पहचान बना रहे हैं। खेती में सफलता के पायदान चढ़कर और कई लोगों को रोजगार देकर अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा बन रहे हैं।

ऑटोमोबाइल कंपनी में 8 लाख का पैकेज: विवेक ने बताया- चार साल पहले मैंने भिलाई से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की थी। फिर परिवार के कहने पर बड़े शहर की ओर रुख किया। गोवा में एक ऑटोमोबाइल कंपनी में मुझे 8 लाख रुपए से अधिक का सालाना पैकेज भी मिला। लेकिन मेरी इच्छा नौकरी करने की नहीं थी। बचपन से ही खेती के प्रति मेरी रुचि रही थी। मेरी दादी रोजाना मुझे खेत में ले जाती और खेती के बारे में बताती थी। खेती के फायदे भी बताती थी। मेरे अधिकतर दोस्त भी किसान परिवारों से हैं। इसीलिए इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बावजूद मैं खेती करने के बारे में सोचता था।

धान की फसल में लगी बीमारियां: आखिर ऑटोमोबाइल कंपनी का पैकेज छोड़कर मैंने खेती करने की इच्छा जताई तो परिवार ने भी हौसला बढ़ाया। हालांकि शुरुआत में मुझे काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। अनुभव नहीं होने से फसल का नुकसान हुआ। धान की फसल में तना छेदक, बंकी और झुलसा जैसी बीमारियां लग गई थी। अमरूद में एंथ्रेक्नोज, उकठा रोग और छाल भक्षक कीट लग गए थे। चीकू में पत्ती धब्बा रोग, चपटा अंग रोग और सूटी मोल्ड रोग लग गए थे। इस पर कृषि विशेषज्ञों, अनुभवी किसानों से मिला। उनसे जानकारी लेकर कीटनाशकों का उपयोग किया।

प्रदेश पटवारी संघ का प्रांतीय सम्मेलन खत्म, पटवारियों ने की प्रमोशन की मांग; बोले- संसाधन नहीं रहेंगे तो काम कैसे करेंगे

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राजस्व पटवारी छत्तीसगढ़ का प्रथम प्रांतीय सम्मेलन मनेंद्रगढ़ के नई लेदरी स्थित सांस्कृतिक भवन में खत्म हुआ। सम्मेलन में प्रदेश के 22 जिलों से लगभग 200 राजस्व पटवारी शामिल हुए। प्रांतीय सम्मेलन में मुख्य रूप से प्रदेश भर में राजस्व पटवारियों को हो रही परेशानियों, पटवारियों के प्रमोशन सहित मिलने वाली सुविधाओं और उनके खिलाफ हो रही कार्रवाई को लेकर विचार हुए। इस दौरान राजस्व पटवारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष भागवत कश्यप ने बताया कि बिना संसाधनों के हमसे काम कराया जा रहा है। 2015-16 से सभी कार्य ऑनलाइन कराया जा रहा है। लेकिन इसके लिए संसाधन मुहैया नहीं कराई जा रही है। जबकि इसके लिए हमने कई बार आंदोलन भी किया है। पूरे प्रदेश में पटवारियों को

कभी पदोन्नति नहीं दिया जा रहा है। हमारे साथी 30 साल से काम कर रहे हैं। लेकिन आज भी पटवारी ही हैं। हमारी मांग है कि जो जरूरत के आवश्यकताएं हैं। वह मुहैय्या कराई जाए। अगर हमारे पास संसाधन नहीं रहेंगे तो काम कैसे करेंगे।

राजस्व पटवारियों के खिलाफ कार्रवाई का विरोध: प्रांतीय सम्मेलन में प्रदेश के साथ-साथ मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में राजस्व पटवारियों के खिलाफ हो रहे कार्रवाई का विरोध किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष ने कहा कि एक ओर जिलों में जितना हल्का है उसके आधे के बराबर पटवारी हैं। लगभग सभी पटवारियों के पास अतिरिक्त हल्के का प्रभार है। जिसके कारण काम का दबाव रहता है। एमसीबी जिले की बात करें तो जिले के कोटाडोल तहसील में एक पटवारियों के पास तीन-तीन हल्के का प्रभार है।

साथ ही इन क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी की सुविधा नहीं है। जिसके कारण ऑफलाइन कार्य करना मजबूरी है। ऑफलाइन और ऑनलाइन कार्य मे बहुत फर्क आता है। जाहिर सी बात है कि अतिरिक्त कार्य का भार होने के कारण कार्य मे त्रुटि होना सौभाविक सी बात है। ऐसे में हमारे पटवारी साथियों के खिलाफ आवर्धित मामला दर्ज होता है। जो कि गलत है। हमारी मांग है कि अगर त्रुटि होती है तो उस पटवारी के विरुद्ध विभागीय जांच हो और अगर वास्तव में कोई पटवारी गलत कार्य करता है तो उसके खिलाफ अपराध दर्ज हो। लेकिन देखा जा रहा है कि एमसीबी जिले में अब तक 5 बार पटवारियों के खिलाफ मामला दर्ज करने का आदेश हो चुका है। जिसका हम विरोध करते हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा